जांजगीर-चांपा -शुक्रवार 25 अगस्त 2023
डॉक -26अगस्त 2023
वर्ष - 12
अंक - 182
कुल पृष्ठ - 08
मूल्य - 1 रूपए

Web : www. samvadsadhana.com

जांजगीर -चांपा, कोरबा एवं महासमुंद से एक साथ प्रकाशित

संवाद साधना

संस्थापक- स्व.श्री विजय शर्मा

Email - sadhana.vivek@gmail.com Fax : 07759-249616

कंटेंट के महत्व को अच्छे से समझता है ओटीटी : अदिति राव हैदरी

पीएम मोदी से चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात, जिनपिंग ने आपसी रिश्तों पर कही ये बात

नई दिल्ली,25 अगस्त (एजेंसी)। ब्रिक्स सम्मेलन जहां नए देशों को साथ जोड़ने के लिए चर्चा में रहा। वहीं इस भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच चर्चा पर भी सभी की नजर रही। पहले ये अटकलें लगाई जा रही थीं कि जिनपिंग और पीएम मोदी की मुलाकात होगी या नहीं? लेकिन मंच पर जब दोनों साथ आए तो पहले संक्षिप्त अभिवादन और मेल मुलाकात हुई। इसके बाद जिनपिंग ने पीएम मोदी से चर्चा की। गिरती अर्थव्यवस्था, अमेरिका से दुश्मनी के बीच बुझे बुझे से लग रहे शी जिनपिंग से पीएम मोदी ने दो टूक कह दिया कि चीन एलएसी का सम्मान करे, तभी हालात सुधरेंगे। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी बातचीत में राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस बात पर जोर दिया कि चीन-भारत संबंधों में सुधार आम हितों को पूरा करता है। साथ ही संबंधों में सुधार क्षेत्र और दुनिया की शांति और स्थिरता के लिए अनुकूल है।

सीमावर्ती इलाकों में शांति से ही सुधरेंगे हालात

जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन के मौके पर दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई। इसके बाद चीनी विदेश मंत्रालय और भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस बातचीत पर अपना अपना पक्ष रखा।

भारत के विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति शी को पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अनसुलझे मुद्दों पर भारत की चिंताओं से

अवगत कराया। भारतीय पक्ष की ओर से इस बात पर जोर देते हुए बात रखी गई कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति स्थापित रखना दोनों देशों के बीचसामान्य स्थिति बरकरार रखने के लिए जरूरी है।

भारत चीन संबंध में सुधार दोनों के साझा हित- चीनी दूतावास

उधर, चीनी रीडआउट में कहा गया है, 23 अगस्त को राष्ट्रपति शी जिनपिंग और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर वर्तमान चीन-भारत संबंधों और साझा हित के अन्य सवालों पर चर्चा की। इस दौरान आपसी विचारों का आदान प्रदान किया गया। इसमें कहा गया,राष्ट्रपति शी ने इस बात पर जोर दिया कि चीन-भारत संबंधों में सुधार दोनों देशों और लोगों के साझा हितों को पूरा करता है। साथ ही यह दुनिया और क्षेत्र की शांति, स्थिरता और विकास के लिए भी अनुकूल है। नई दिल्ली में चीनी दूतावास द्वारा जारी बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों को अपने द्विपक्षीय संबंधों के समग्र हितों को ध्यान में रखना चाहिए और सीमा मुद्दे को ठीक से संभालना चाहिए ताकि संयुक्त रूप से सीमा क्षेत्र में शांति की रक्षा की जा सके। **ब्रिक्स नेताओं से भी पीएम मोदी ने की बातचीत**

गुरुवार को जोहान्सबर्ग में एक मीडिया ब्रीफिंग में, क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी अपने संबंधित अधिकारियों को सीमा पर शीघ्र तनाव कम करने पर सहमत हुए हैं। क्वात्रा ने कहा कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री ने अन्य ब्रिक्स नेताओं के साथ बातचीत की।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत में, प्रधानमंत्री ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों के पश्चिमी क्षेत्र में एलएसी के साथ अनसुलझे मुद्दों पर भारत की चिंताओं पर प्रकाश डाला।

क्या बन गई बात? शरद पवार बोले- ना कोई फूट, ना कोई विवाद, अजित पवार हमारे ही नेता

नई दिल्ली,25 अगस्त (एजेंसी)। महाराष्ट्र की सियासत में मॉनसून दोबारा लौटता नजर आ रहा है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि एनसीपी सुप्रीमो के एक बड़े बयान ने पूरी राजनीति की हवाओं का रूख बदल दिया है। शरद पवार ने बयान दिया है कि अजित पवार हमारे ही नेता हैं, इसमें कोई विवाद नहीं है। इतना ही नहीं उन्होंने ये भी कहा कि एनसीपी में कोई फूट नहीं हुई है। अगर किसी नेता ने अलग भूमिका ली है तो लोकतंत्र में ये उसका अधिकार है।

एनसीपी एकजुट है, अजित हमारे ही नेता

एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार के इस बयान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल बढ़ गई है।

पवार के इस बयान से एक दिन पहले ही सुप्रिया सुले ने भी कहा था कि एनसीपी एकजुट है और अजित दादा हमारे ही नेता हैं। दरअसल, जब शरद पवार से सवाल किया गया कि भ्रम इस बात का है कि एक तरफ कहा जा रहा है कि एनसीपी में फूट हो गई है। लेकिन कल (सुप्रिया) ताई ने ऐसा ऐलान किया है कि एनसीपी में फूट नहीं पड़ी है और (अजित) दादा हमारे ही नेता हैं।

कोई विवाद नहीं, ये उनका अधिकार है

इस सवाल के जवाब में शरद पवार ने कहा, हैं ही... इसमें कोई विवाद नहीं है। फूट पड़ना इसका अर्थ क्या होता है? पार्टी में फूट तब होती है, जब देश स्तर पर पार्टी का एक बड़ा वर्ग अलग हो गया हो। आज ऐसी स्थिती यहां नहीं है। मान लीजिए अगर कुछ लोगों ने पार्टी छोड़ दी या कुछ लोगों ने अलग भूमिका ली तो ये लोकतंत्र में उनका अधिकार है। अगर उन्होंने कोई फैसला लिया है, तो फूट पड़ गई ऐसा कहने की कोई वजह नहीं है, ये उनका निर्णय है।

शतरंज की बाजी हारकर भी प्रज्ञानानंदा ने जीता दिल

दिल्ली,25 अगस्त (एजेंसी)। अजरबैजान के बाकू में आयोजित हुए चेस वर्ल्ड कप में भारत के 18 वर्षीय ग्रैंडमास्टर रमेशबाबू प्रज्ञानानंदा ने भले ही आखिरी बाजी हारी हो, लेकिन उन्होंने पूरी दुनिया का दिल जीत लिया। इस युवा स्टार ने वर्ल्ड नंबर 1 नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन को फाइनल मुकाबले में आसानी से नहीं जीतने दिया और टाईब्रेकर में यह मुकाबला गंवाया। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद इंडिया टीवी ने भी इस स्टार के साथ खास बातचीत की। उन्होंने इस दौरान अपने आगे के प्लान्स और भारत के दो बार के वर्ल्ड कप विजेता विश्वानाथन आनंद को लेकर भी बयान दिया।

फाइनल मुकाबले के बाद क्या बोले प्रज्ञानानंदा?

इंडिया टीवी के एग्जीक्यूटिव एडिटर समीप राजगुरु के साथ खास बातचीत में प्रज्ञानानंदा ने कहा कि, बिल्कुल फाइनल मुकाबला गंवाना दुर्भाग्यपूर्ण है, मैं और कुछ अच्छा कर सकता था। पिछले वर्ल्ड कप में शुरुआती चरण से नॉकआउट होने के बाद यह प्रदर्शन खास रहा। मैं आज जीत नहीं सका लेकिन शतरंज में यह चलता है। उन्होंने बताया कि अब वह आने वाले टूर्नामेंट्स खासतौर से कैंडिडेट के लिए खास तैयारी करेंगे। वहीं विश्वनाथन आनंद को लेकर वह बोले कि, आनंद सिर्फ उनके लिए ही नहीं बल्कि सभी भारतीय के लिए एक प्रेरणा हैं। मैं हमेशा उनसे बहुत कुछ सीखा हूं और सीख रहा हूं। आगे उन्होंने अपने परिवार को लेकर कहा कि, मेरा पूरा परिवार काफी खुश था। उनके लिए यह गौरव का पल था। खास बात यह है कि मेरे करियर के लिए यह सबसे बड़े मौकों में से एक है। आगे उन्होंने भारतीय चेस फेडरेशन

के लिए कहा कि, अध्यक्ष संजय कपूर और सभी का मुझे सपोर्ट करने के लिए धन्यवाद। इस सफलता को प्रज्ञानानंदा सेलिब्रेट कैसे करेंगे इसको लेकर वह बोले कि, मैं अब आराम करना चाहूंगा और आने वाले टूर्नामेंट्स की तैयारियां करूंगा।

चेस फेडरेशन के अध्यक्ष ने भी कही यह बात

इस खास इंटरव्यू में प्रज्ञानानंदा के साथ भारतीय शतरंज महासंघन के अध्यक्ष संजय कपूर भी मौजूद रहे। उन्होंने इस बातचीत में कहा कि, चतुरन हमारे देश का खेल है और अब उसकी वापसी हो रही है शतरंज के रूप में। पहले हमारे पास एक विश्वनाथन आनंद थे और अब नई पौध तैयार हो रही है। हमारे पास आने वाले दिनों में देश के हर बच्चे के लिए चेस में आगे ले जाने के लिए कई प्लान हैं। हमें खुशी है कि, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी चेस ओलंपियाड में बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इसे हरी झंडी दिखाई और उनके आशीर्वाद से बच्चे आगे बढ़े। आगे उनसे जब पूछा गया कि इसे कैसे वह सेलिब्रेट करेंगे इसको लेकर वह बोले कि, आज प्रज्ञानानंदा ने कहा था कि हमें साउथ इंडियन खाना है। तो इस फाइनल के बाद इस लम्हे को हम साउथ इंडियन खाना खाकर ही सेलिब्रेट करेंगे। प्रज्ञाननंदा की बात करें तो वह विश्वनाथन आनंद के बाद चेस वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी बने। आनंद ने भारत के लिए साल 2000 और 2002 में दो चेस वर्ल्ड कप के टाइटल जीते थे। प्रज्ञाननंदा दुनियाभर में भी मैग्नस कार्लसन और बॉबी फिशर के बाद चेस वर्ल्ड कप तक पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। वहीं नॉर्वे के कार्लसन का भी यह पहला वर्ल्ड कप टाइटल था। 2021 में वह तीसरे स्थान पर रहे थे। विजेता कार्लसन को यह टाइटल जीतने पर 110 हजार अमेरिकी डॉलर (लगभग 90,93,551 रुपए) मिले। प्रज्ञानानंदा भी रनर अप जरूर रहे लेकिन उनके खाते में भी धनवर्षा हुई है। जबकि प्रज्ञाननंदा को करीब 80 हजार अमेरिकी डॉलर (लगभग 66,13,444 रुपए) की भारीभरकम राशि से सम्मानित किया गया।

चंद्रयान-3- इसरो ने जारी की एक और नई तस्वीर

नई दिल्ली,25 अगस्त (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) ने अपने चंद्रयान-3 मिशन की एक और तस्वीर जारी की है। यह तस्वीर चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर द्वारा ली गई है। चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर ने चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम की तस्वीर भेजी है। 23 अगस्त शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंड किया था। इसके बाद लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान चंद्रमा की सतह का अध्ययन करने के अपने मिशन में जुट गए हैं। इसरो ने आज जो नई तस्वीर जारी की है उसे चंद्रयान-2 के आर्बिटर ने अपने कैमरे में कैद किया है। तस्वीर में लैंडर विक्रम चंद्रमा की सतह पर साफ नजर आ रहा है। लैंडर विक्रम और रोवर 14 दिनों तक चंद्रमा की सतह का अध्ययन करेंगे और वहां से कलेक्ट डेटा को इसरो के कमांड सेंटर में भेजेंगे।

हिमाचल प्रदेश में बारिश से आज भी राहत नहीं, मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

शिमला,25 अगस्त (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में बारिश और तूफ़ान से मची अबही रुकने का नाम नहीं ले रही है। प्रदेश के कई जिलों और शहरों में बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। राज्य में सामने जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो चुका है। अभी भी लोगों को इस तबाही से राहत मिलने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक प्रदेश के कई स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों के लिए बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। ड्डस्ष्ठ ने राज्य के सोलन, शिमला, सिरमौर, मंडी, कुल्लू, ऊना, बिलासपुर और कांगड़ा जिलों के कुछ हिस्सों में भारी वर्षा की संभावना जताई गई है। हालांकि ड्डस्ष्ठ ने कहा है कि शनिवार 26 अगस्त से कुछ राहत मिलेगी। वहीं भारी बारिश की संभावना को देखते हुए प्रदेश सरकार भी अलर्ट हो गई है। सरकार ने सभी जिम्मेदार संस्थाओं को किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा है।

प्रदेश में जून से अगस्त तक 804 मिमी बारिश हुई

बता दें कि हिमाचल प्रदेश में जून से अगस्त तक 804 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 41 प्रतिशत अधिक है। हालांकि लाहौल स्पीति प्रदेश में एकमात्र जिला हिया, जहां सामने से भी कम बारिश हुई है। इसके अलावा प्रदेश की राजधानी शिमला में सामान्य से 103त्न और बिलासपुर में 86त्न ज्यादा बारिश हुई है। वहीं आगे के मौसम के बारे में ड्डस्ष्ठ ने बताया है कि 26 अगस्त से मौसम बदल जाएगा। मैदानी और मध्य इलाकों के जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होगी। इसके साथ ही 26 से 30 अगस्त तक गतिविधियां कम हो जाएंगी।

कई रेल और सड़क मार्ग तबाह

बता दें कि इस बार का मानसूनी सीजन हिमाचल प्रदेश के लिए किसी खौफनाक मंजर से कम नहीं है। बादल फटने और भूस्खलन की वजह से हजारों इमारतें जमीन में मिल गईं। सैकड़ों एकड़ बागान मिट्टी में मिल गए। कई लोगों की जान चली गई और हजारों लोग घायल हुए हैं। इसके साथ ही यातायात व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित हुई हैं। कई जगहों पर सड़क और रेल मार्ग पूरी तरह से तबाह हो चुका है।

परिवार के लोगों को मूलधर्म में वापसी के लिए समझा रहे थे पिता-पुत्र, मतांतरितों ने की मारपीट, फोड़ा सिर

जगदलपुर,25 अगस्त (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के तारागांव में मतांतरित आदिवासियों और ग्रामीणों के बीच विवाद भड़कने के बाद मतांतरितों ने दो ग्रामीणों से जमकर मारपीट की, जिसमें पंडकु कश्यप पिता रामा व पंचू कश्यप पिता गंगू का सिर फोड़ दिया है। इसके बाद से गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। दोनों गुटों के बीच पथराव भी हुआ है। ग्रामीणों ने मारपीट करने वाले मतांतरितों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करते हुए सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया है और पुलिस को कार्रवाई के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि दो माह पहले गांव में ग्राम सभा बुलाकर निर्णय लिया गया था कि गांव के मतांतरित परिवार मूलधर्म में वापसी करेंगे। ऐसा नहीं करने की स्थिति में मतांतरितों के गांव की सीमा के अंदर शव दफनाने, परपंरागत जलस्त्रोतों के उपयोग, जमीन, जंगल के उपयोग, मतांतरितों के खेतों में अन्य धर्म के लोगों के काम करने, मतांतरितों से किसी भी तरह के संबंध रखने को

प्रतिबंधित किया गया था। ग्राम सभा के निर्णय के अनुसार मतांतरितों के मूलधर्म में वापसी के लिए परिवार के लोगों को जिम्मेदारी दी गई थी, ताकि शांतिपूर्ण तरीके से गांव की परपंरा व संस्कृति का संरक्षण हो सके। इसी निर्णय के अनुसार पंडकु व पंचू अपने परिवार के मतांतरित हो चुके लोगों को समझाइश दे रहे थे। इसी दौरान गांव के अन्य मतांतरित भी वहां आ गए और बात ने तूल पकड़ लिया और मारपीट की नौबत आ गई।

मतांतरितों को संरक्षण देने पुलिस पर आरोप ग्रामीणों ने बताया कि मारपीट की घटना के बाद घायल हुए ग्रामीणों की मेडिकल जांच पुलिस की ओर से नहीं की गई। अस्पताल में भी पर्ची काटे बिना ही दवा देकर पुलिस ने उन्हें गांव में छोड़ दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि मतांतरितों को संरक्षण देने के लिए पुलिस की ओर से ऐसा किया जा रहा है। अगले 48 घंटे में यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं की जाएगी तो गांव में बैठक बुलाकर इसमें कड़े निर्णय लिए जाएंगे।

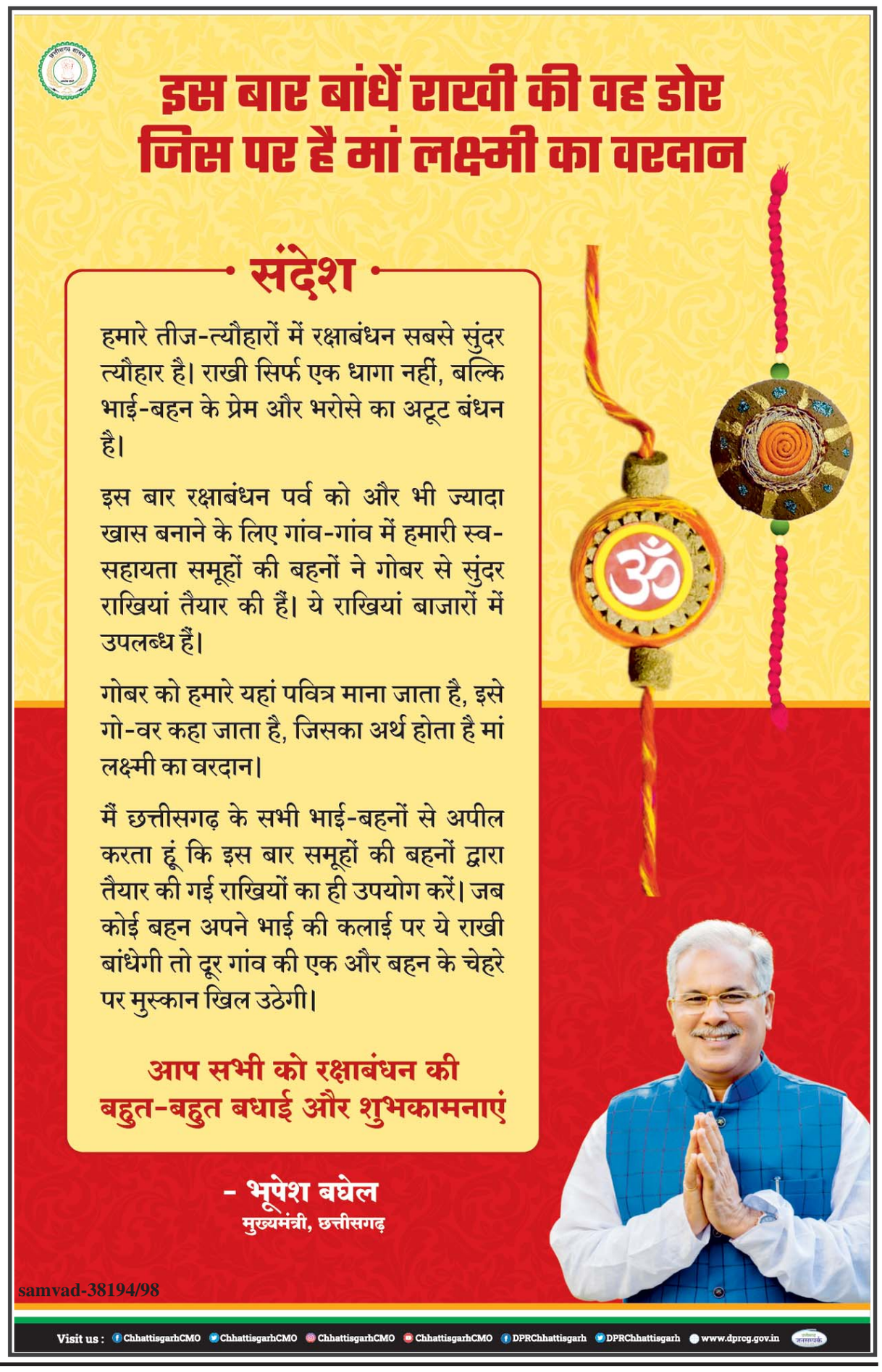

कोरबा, महासमुंद एवं जांजगीर –चांपा से एक साथ प्रकाशित
संवाद साधना
आसपास
जांजगीर,शुक्रवार 25 अगस्त 2023
Email - sadhana.vivek@gmail.com
Web : www. samvadsadhana.com

स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षकों को मिल रहा हेल्थ एंड वेलनेस एम्बेसडर का प्रशिक्षण

प्रशिक्षण प्राप्त कर हेल्थ एंड वेलनेस एम्बेसडर शिक्षक समाज को नई दिशा करेंगे प्रदान - सीएमएचओ

कोरबा । भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से आयुष्मान भारत कार्यक्रम अंतर्गत स्कूल स्वास्थ्य एंड वेलनेस कार्यक्रम का संचालन जिले में कलेक्टर सौरभ कुमार के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एन. केशरी के नेतृव में संचालित किया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ केशरी द्वारा इस प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री जी. पी. भारद्वाज, जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ प्रदीप जैन जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. अशरफ अंसारी, जिला नोडल अधिकारी आर के एस सहित कार्यक्रम के मास्टर ट्रेनर तथा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षक उपस्थित थे। सीएमएचओ ने प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यालय जाने वाले किशोर बच्चों में सूचित, उत्तरदायी एवं स्वास्थ्य व्यवहारों को विकसित करने हेतु उनके ज्ञान को बढ़ाना, उनके मन में सकारात्मक अभिवृत्ति विकसित करना, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी जागरूकता पैदा करना, विद्यालय स्तर पर गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के साथ ही उनके जीवन कौशलों में वृद्धि करना है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में डॉ राजकुमार नोडल अधिकारी आर.के. एस. के. सहित उनकी टीम द्वारा विभिन्न 11 मॉड्यूल पर वेलनेस एम्बेसडर को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्वस्थ्य बढ़ना, भावनात्मक कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य, पारस्परिक संबध, मूल्य और जिम्मेदार नागरिकता, जेंडर समानता पोषण स्वास्थ्य और स्वच्छता, पदार्थ के दुरुपयोग की रोकथाम और प्रबंधन स्वस्थ्य जीवन शैली को बढ़ावा देना, प्रजनन स्वास्थ्य और एचआईव्ही की रोकथाम, हिंसा और चोट के खिलाफ सुरक्षा तथा इंटरनेट और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा देना शामिल हैं।

सीएमएचओ ने बताया कि जिले में स्कूल स्वास्थ्य एवं वेलनेस कार्यक्रम विद्यालयों के माध्यम से चलाया जा रहा है। इसके तहत जिले के प्रत्येक विद्यालय से दो शिक्षक (एक महिला एवं एक पुरुष) को हेल्थ एण्ड वेलनेस एम्बेसडर के रूप में चिन्हांकित किया गया है तथा उन्हें प्रशिक्षित किया जा रहा है। ये हेल्थ एंड वेलनेस एम्बेसडर प्रशिक्षण प्राप्त कर स्कूलों में स्वास्थ्य व्यवहार को बढ़ावा देने और रोगों की रोकथाम के लिए प्रत्येक सप्ताह एक घंटे की रोचक गतिविधियां आयोजित करेंगे तथा योगाभ्यास की कक्षाएं संचालित करेंगे। जिससे बच्चे निरोग, तनावमुक्त और मानसिक रूप से स्वस्थ्य रह सके। प्रशिक्षित हेल्थ एंड वेलनेस एम्बेसडर स्कूलों के प्रत्येक कक्षा से दो छात्रों का हेल्थ एंड वेलनेस मैसेजर के रूप में चिन्हांकन करेंगे। जिनका कार्य समाज में स्वास्थ्य वर्धक संदेशों को पहुंचाना होगा। सीएमएचओ ने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त कर हेल्थ एंड वेलनेस एम्बेसडर शिक्षक समाज को नई दिशा प्रदान करेंगे।

महापौर की उपस्थिति में मतदान केंद्र क्रमांक 194 में मतदाता जागरूकता अभियान किया गया आयोजित

पाली जनपद में मतदाता जागरूकता रथ के माध्यम से आमजनों को मतदान के प्रति किया जा रहा जागरूक,स्वीप अंतर्गत सभी विभागों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का किया जा रहा

कोरबा। जिले में स्वीप कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शत प्रतिशत मतदान हेतु जागरूकता अभियान एवं नये मतदाताओं को प्रेरित कर नाम जुड़वाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। शासकीय विभागों द्वारा भी अपने एवं अधीनस्थ कार्यालयों में मतदाता जागरूकता अभियान चलाकर मतदान के लिए अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों को प्रेरित कर रहे हैं। साथ ही विभिन्न वार्डों में जाकर आमजनों को भी मताधिकार की उपयोगिता बताते हुए मतदान में अपनी अहम भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। इसी कड़ी में महापौर राजकिशोर प्रसाद की उपस्थिति में उद्यानिकी विभाग द्वारा आज कोरबा विधानसभा के मतदान केंद्र क्रमांक 194 में मतदाता जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान में वार्ड के महिलाओं, पुरूषों, वृद्धजनों, नि:शक्तजनों एवं युवाओं को निर्वाचन में अपनी सहभागिता निभाने हेतु जागरूक किया गया एवं संकल्प दिलाया गया। साथ ही 01 अक्टूबर 2023 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं को अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए प्रेरित किया गया। इसी प्रकार मतदान केंद्र क्रमांक 171 में आदिम जाति विकास विभाग द्वारा मतदान जागरूकता अंतर्गत शपथ ग्रहण एवं हस्ताक्षर अभियान आयोजित किया गया। जनपद पंचायत पाली में स्वीप अंतर्गत आमजनों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए मतदाता जागरूकता रथ के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा हैं। यह मतदाता जागरूकता रथ गांव-गांव जाकर लोगों को फोटो युक्त निर्वाचक नामावलियों का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अहर्ता तिथि 01 अक्टूबर 2023 के संदर्भ में निर्धारित तिथियों की जानकारी देने एवं उन्हें मताधिकार के उपयोग हेतु प्रोत्साहित करने का कार्य करेगा।

राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग चैम्पियनशीप में जिले के खिलाड़ियों ने लहराया परचम

5 स्वर्ण और 2 रजत पदक हासिल कर बढ़ाया जिले का मान

बिलासपुर। नेशनल किक बॉक्सिंग चैम्पियनशीप में जिले के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले और प्रदेश को गौरान्वित किया है। कोलकाता में आयोजित नेशनल चैम्पियनशीप में छत्तीसगढ़ की 50 सदस्यों की टीम ने भाग लिया था, जिसमें जिले के किक बॉक्सरों ने 5 स्वर्ण पदक के साथ 2 रजत पदक भी हासिल किया। इन खिलाड़ियों ने आज कलेक्टर श्री संजीव कुमार झा से सौजन्य मुलाकात की। कलेक्टर ने जिला कार्यालय में सभी खिलाड़ियों को सम्मानित कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। एमेच्योर किक बॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष श्री दीपक प्रसाद ने बताया की यह प्रतियोगिता 18 से 21 अगस्त तक खुदीराम बोस इंडोर स्टेडियम कोलकाता में आयोजित हुई। जिसमें 21 राज्य से लगभग 650 खिलाड़ी सहित 60 ऑफिशिअल ने इस नेशनल किक बॉक्सिंग चौंपियनशिप में भाग लिया। इन खिलाड़ियों में मुंगेली से अभिषेक तिवारी ने स्वर्ण पदक तथा करगी रोड कोटा के खिलाड़ी दिशा सिंह ने स्वर्ण पदक, अजय सिंह ठाकुर ने स्वर्ण पदक, डोमेन्द्र प्रताप ने स्वर्ण पदक एवं पंकज सिंह राजपूत ने स्वर्ण पदक एवं दिब्यांसु पोर्ते, निखिल पैकरा ने रजत पदक हासिल किया।

तेल प्रसंस्करण इकाई से महिलाओं का हो रहा आजीविका संवर्धन

रीपा से जुड़ी उमा समूह की महिलाओं द्वारा प्रारंभिक चरण में 130 लीटर तेल का किया गया उत्पादन,250-350 रूपए प्रति लीटर की दर से तेल का कर रहीं विक्रय

कोरबा । महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क से ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव सामने आ रहे हैं। रीपा के माध्यम से उन्हें रोजगार का प्रमुख जरिया मिला है। जहां संचालित आजीविका संवर्धन कार्यों से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं स्वावलंबन की राह पर अग्रसर हो रहे हैं। इसी कड़ी में जिले के जनपद पंचायत करतला के ग्राम कोटमेर में स्थापित ग्रामीण औद्योगिक केंद्र में तेल प्रसंस्करण, दाल प्रसंस्करण, आचार-पापड़ निर्माण जैसे विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियां संचालित की जा रहीं हैं। इनसे महिलाओं को अपने घर के पास ही नियमित रूप से रोजगार प्राप्त हो रहा है और वे आत्मनिर्भर बन रहीं हैं। ग्राम पंचायत कोटमेर में स्थापित रीपा से जुड़ी उमा स्वसहायता समूह की महिलाएं तेल प्रसंस्करण का कार्य कर रही हैं। उनके द्वारा तेल प्रसंस्करण का कार्य करते हुए सरसों, मूंगफली, डोरी आदि का तेल निकाला जा रहा है। एनआरएलएम के क्षेत्रीय समन्वयक सुरेश निर्मलकर ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर महिलाओं द्वारा सरसों और मूंगफली का प्रसंस्करण कर लगभग 130 लीटर तेल निकाला गया है, जिसे समूह की महिलाएं सीमार्ट, हसदेव मार्ट और स्थानीय बाजार में 250 रू. से लेकर 350 रू. प्रति लीटर की दर से विक्रय कर रही है। इससे प्राप्त लाभ से समूह की महिलाओं का आजीविका संवर्धन हो रहा है जिससे वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में अपना योगदान दे रहीं हैं। उल्लेखनीय है कि करतला एक वन आच्छादित क्षेत्र है, जहां पर ग्रामीणों द्वारा वनोपज संग्रहण किया जाता है। यहां पर अच्छी गुणवत्ता का महुआ बहुतायत में पाया जाता है। जिससे डोरी अधिक मात्रा में उपलब्ध रहता है। डोरी तेल शुद्ध एवं प्राकृतिक गुणों से संपन्न होता है। जिसका उपयोग यहां के लोग खाने, पूजा पाठ में तथा शरीर में लगाने में करते हैं। इसके साथ ही इस क्षेत्र में मूंगफली की खेती भी पर्याप्त मात्रा में होती है, जिससे मूंगफली भी यहां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहता है। तेल प्रसंस्करण इकाई द्वारा निकाला गया तेल शुद्ध, रसायन रहित, अच्छी गुणवत्ता की है, जिसकी पैकेजिंग एवं ब्रांडिंग का कार्य भी समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है।

लोक सेवा गारंटी के तहत पौने पांच साल में 08 लाख 22 हजार से ज्यादा प्रकरण हुए निराकृत

पौने पांच साल में 08 लाख 22 हजार से ज्यादा प्रकरण हुए निराकृत

महासमुंद। लोक सेवा गारंटी अधिनियम का लाभ अब जनसामान्य को शासन-प्रशासन की संवेदनशीलता के कारण सहजता से मिलने लगा है। सरकार की मंशा के अनुरूप सभी शासकीय कार्यालयों में लोकसेवा गारंटी के तहत् अधिसूचित सेवाएं समय-सीमा में उपलब्ध होने से शासन-प्रशासन के प्रति जन विश्वास भी बढ़ा है।

विगत (1 जनवरी 2019 से 24 अगस्त 2023) तक 8,22,962 प्रकरण निराकृत हुआ। जिले में लोक सेवा गारंटी अधिनियम लागू होने के बाद जिले में अब तक विभिन्न विभागों से लगभग 75 विषयों से संबंधित शुरुआत से अब तक कुल 9,48,548 आवेदन मिले थे। जिसमें से 8,22,962 आवेदन समय सीमा में निराकृत किए गए। इसमें से कुछ वापस और कुछ दस्तावेजों की कमी के कारण निरस्त हुए। छत्तीसगढ़ लोक सेवा गारंटी अधिनियम वर्ष 2011 से छत्तीसगढ़ राज्य में लागू किया गया है। प्रत्येक व्यक्ति को इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर यथा अधिसूचित नियत समय के भीतर छत्तीसगढ़ राज्य में लोक सेवा प्राप्त करने का अधिकार दिया गया है। जानकारी अनुसार मुख्य तौर पर अब तक सबसे ज्यादा आय प्रमाण पत्र के 3,69,009, मूल निवास प्रमाण पत्र के 1,52,773 आवेदन, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र के 73575 आवेदन निराकृत किए गए। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र के 53523 इसी प्रकार भुइयां से नकल (भूमि दस्तावेज आदि) हेतु 30,671 एवं जन्म पंजीकरण एवं प्रमाण पत्र के 13,630, इंदिरा गांधी वृद्धावस्था पेंशन के 6890 प्रकरण निराकृत किए गए। आवेदन कर्ताओं को आवेदन की पावती भी दी जा रही है। वही प्राप्त आवेदनों की पंजी संधारित की जा रही। कार्यालयों में रोजगार गारंटी अधिनियम की जानकारी भी बोर्ड पर प्रदर्शित की जा रही है। मालूम हो कि शासन द्वारा सुशासन की धारणा को ध्यान में रख कर नागरिकों को सेवाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न विभागों ई-डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट की परिकल्पना कर राज्य में लागू किया है। यह जिला प्रशासन की आंतरिक प्रक्रियाओं के स्वचालन के रूप में की गई है। यह परियोजना जिले के लिए सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि यह जिला प्रशासन के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक वर्कफ्लो प्रणाली बनाने में मदद करेगी और कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी), लोक सेवा केंद्र, ऑनलाइन और इंटरनेट के माध्यम से कुशल व्यक्तिगत विभाग सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी। ई-डिस्ट्रिक्ट परियोजना को राज्य में लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत कार्यान्वित किया जा रहा है। बता दें कि लोक सेवा केंद्रों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली सेवाओं का लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समय-सीमा एवं शुल्क संबंधित दस्तावेजों के आधार पर निर्धारित है। जाति प्रमाण-पत्र हेतु समय सीमा 30 दिन एवं शुल्क तीस रूपये, निवास एवं आय प्रमाण हेतु समय सीमा 30 दिन एवं शुल्क तीस रूपये, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु समय सीमा सात दिन एवं शुल्क 30 रूपये, मीसल हेतु समय सीमा सात दिन शुल्क दस रूपये निर्धारित है।

नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए फार्म भरने की तारीख 27 अगस्त तक बढ़ी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय और निजी कॉलेजों में वर्ष 2023 शैक्षणिक सत्र में विभिन्न नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि को 27 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है। अब इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन ऑनलाईन 27 अगस्त शाम 5 बजे तक भर सकते है। पहले यह तिथि 24 अगस्त निर्धारित थी। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा इन ऑनलाईन प्राप्त आवेदनों के माध्यम से बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग और पोस्ट बेसिक डिप्लोमा इन साइकियाट्रिक नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा।

अभ्यर्थी चिकित्सा शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर लॉग इन कर आवेदन भर सकते है। चिकित्सा शिक्षा विभाग नर्सिंग पाठ्यक्रम काउसलिंग समिति के अध्यक्ष डॉ. देवप्रिय रथ से प्राप्त जानकारी के अनुसार नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवेदन शुल्क भी निर्धारित किया गया है। अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को एक हजार रूपये और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को पांच सौ रूपये आवेदन शुल्क देना होगा।

घुमंतू पशुओं में रेडियम बेल्ट लगाने एवं टैगिंग कार्य जारी

अब तक 1828 पशुओं को लगाया गया रेडियम बेल्ट

बिलासपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार नेशनल एवं स्टेट हाईवे में घुमंतू पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सड़क में घूम रहे पशुओं में रेडियम बेल्ट एवं ईयर टैग लगाने का कार्य निरंतर जारी है। इसके साथ ही इन पशुओं को मुख्य मार्गों से गोठानों एवं गौशालाओं में विस्थापित किया जा रहा है। पशु चिकित्सा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार उक्त कार्यों के लिए गठित 10 समितियों द्वारा बिलासपुर-रायपुर, बिलासपुर-रायगढ़ नेशनल हाईवे एवं बिलासपुर-सीपत एवं मोपका-सेंदरी बायपास मार्ग में विचरण करने वाले 1828 पशुओं में रेडियम बेल्ट लगाया गया है। इसी प्रकार 1360 पशुओं में टैगिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है। 1081 पशुओं को जिले के विभिन्न गोठानों एवं गौशालाओं में विस्थापित किया गया है। 22 बैलजोड़ी इकाई को बैगा हितग्राहियों को कृषि कार्य हेतु वितरित किया गया है एवं 304 पशुओं को गोठानों से पशुपालकों को सुपुर्द किया गया।

शब्द सामर्थ्य -166

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

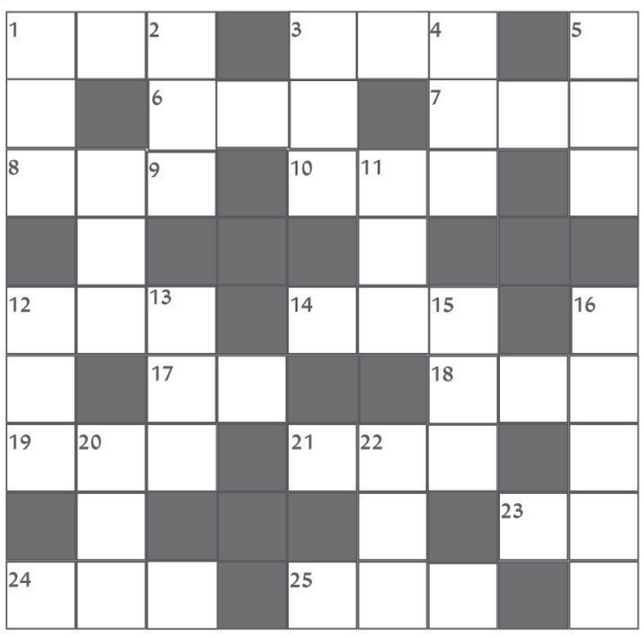

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 165 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

सू- दोकू क्र.166

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.165 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

आपातकालीन स्थिति में बिजली ग्रिड को बचाने होगा आटोमैटिक डिमांड मैनेजमेंट

स्वचलित मांग प्रबंधन प्रणाली (एडीएमएस) ग्रिड को समर्पित किया प्रबंध निदेशक श्रीमती बघेल ने, छोटे-छोटे हिस्सों में 155 फीडरों में बांटा जाएगा बिजली के लोड को

रायपुर । बिजली की आपूर्ति के लिए पूरे देश में एक ग्रिड प्रणाली संचालित है, इसे सुरक्षित और संरक्षित करने के लिए छत्तीसगढ़ में स्वचलित मांग प्रबंधन प्रणाली (आटोमेटेड डिमांड मैनेजमेंट सिस्टम-एडीएमएस) लागू कर दी गई है। इससे आपातकालीन स्थिति में ग्रिड में अत्यधिक लोड होने पर स्वचलित तकनीक से भार प्रबंधन हो सकेगा, पहले इसे मेनुअली करना पड़ता था। इस प्रणाली को ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध निदेशक श्रीमती उज्जवला बघेल के करकमलों से डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक मनोज खरे की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ ग्रिड को समर्पित किया गया। इससे जहां एक ओर ग्रिड को बचाने में सहायता मिलेगी, वहीं किसी एक क्षेत्र में भार प्रबंधन नहीं किया जाएगा, बल्कि इस लोड को अनेक छोटे-छोटे हिस्सों में बांट दिया जाएगा।

प्रदेश में मांग-आपूर्ति के बीच समन्वय बनाये रखने हेतु इस प्रणाली की स्थापना नेशनल ग्रिड कोड के नियमानुसार इसे लागू कर दिया गया है। गुरुवार को राज्य भार प्रेषण केंद्र डंगनिया में आयोजित कार्यक्रम में आज से इसे संचालन में लाया गया। ग्रिड में यदि कभी आवृत्ति (फ्रिक्वेंसी) 50 हर्टज से कम हो जाए एवं 100 मेगावाट से ज्यादा ओव्हर ड्रॉल की स्थिति हो, तब यह सिस्टम आटोमेटिक काम करने लगेगा। इसमें राज्य के चार विदयुत वितरण क्षेत्र दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर एवं रायगढ़ के 45 उपकेन्द्रों से निकलने वाले विभिन्न 33/11 केव्ही के 155 नग फीडरों के भार का मापन कर ग्रिड को सुरक्षित एवं संरक्षित किये जाने का प्रावधान है। यह प्रणाली छत्तीसगढ़ राज्य भार प्रेषण केन्द्र से स्वचालित रहेगी, जिसकी अद्यतन जानकारी क्षेत्रीय मुख्य अभियन्ताओं के प्रकोष्ठ में लगे हुए डैश बोर्ड पर प्रदर्शित होते रहेगी। केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग के विनियमन (रेग्युलेशन) के अनुसार इसे लागू किया गया है। जिसमें पहले अधिक मांग बढ़ने पर आपात स्थिति में ग्रिड को सुरक्षित करने के लिए भार प्रबंधन का मैनुअली होता था, इसमें समय अधिक लगता था और किसी एक क्षेत्र में भार प्रबंधन होता था, अब यह आटोमेटिक 10 अलग अलग समूह में होगा, जिससे एक बार भार प्रबंधन होने के बाद दूसरे ग्रुप में भार प्रबंधन होगा।

नई व्यवस्था में 10 ग्रुप बनाए गए हैं, जिनमें सभी चारों क्षेत्र के फीडर शामिल हैं, यानी किसी एक क्षेत्र में पूरी तरह भार प्रबंधन नहीं किया जाएगा। जैसे ही मांग-आपूर्ति में संतुलन होगा, तुरंत स्थिति बहाल हो जाएगी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के डगनिया स्थित लोड डिस्पैच सेंटर में संपादित इस कार्यक्रम में ट्रांसमिशन कंपनी से कार्यपालक निदेशक सर्व श्री डीके चावड़ा, आरके शुक्ला एमएस चौहान, संजय पटेल, केएस मनोठिया, मुख्य अभियंता आरसी अग्रवाल, जी आनंद राव तथा अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रीमति शारदा सोनवानी, कल्पना घाटे, गिरीश गुप्ता सहित अधीक्षण अभियंतासंजय चौधरी, मनोज राय, कार्यपालन अभियंता जीपी सिंह, प्रेम देवांगन तथा डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी से कार्यपालक निदेशक सर्व भीमसिंह कंवर, मुख्य अभियंता संदीप वर्मा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता संजय आरबी खण्डेलवाल, अधीक्षण अभियंता केएस भारती सहित भार प्रेषण केन्द्र के अन्य सभी अधिकारीगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक अभियंता सुश्री संदीपा देवांगन ने किया।

वर्ष 2022 के लिए ''अन्वेषण में उत्कृष्टता हेतु केन्द्रीय गृहमंत्री पदक'' से सम्मानित

पुलिस अधिकारियों का पुलिस महानिदेशक द्वारा पदक एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मान

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य से 03 पुलिस अधिकारियों को वर्ष 2022 के लिये ''अन्वेषण में उत्कृष्टता हेतु केन्द्रीय गृहमंत्री पदक'' हेतु चयनित किया गया है। केन्द्रीय गृहमंत्री पदक एवं प्रमाण-पत्र का वितरण संबंधित पुलिस अधिकारियों को अशोक जुनेजा पुलिस महानिदेशक छत्तीसगढ़ द्वारा पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर में 22 अगस्त 2023 को प्रदत्त किया गया। पुलिस मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार उपनिरीक्षक दिव्या शर्मा को जिला रायपुर के थाना तेलीबांधा क्षेत्र में 9 वर्षीय बालिका के साथ उसके सौतेले पिता द्वारा अप्राकृतिक कृत्य एवं दुष्कर्म के मामले में विवेचना के दौरान युक्ति-युक्त साक्ष्य संकलित कर 04 दिवस के भीतर अभियोग पत्र प्रस्तुत करने तथा विचारण के दौरान माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी के विरूद्ध युक्ति-युक्त रूप से संदेह से परे प्रमाणित पाने के फलस्वरूप आरोपी को आजीवन कारावास एवं 90 हजार रूपये अर्थ दण्ड से दण्डित किये जाने के फलस्वरूप दिया गया है। निरीक्षक दिनेश यादव को जिला राजनादगांव थाना चिल्हाटी क्षेत्र में 10 वर्षीय अवस्यक बालिका के साथ बल पूर्वक दुष्कर्म करने की घटना में आरोपी की त्वरित गिरफ्तारी कर युक्ति-युक्त साक्ष्य संकलित कर अभियोग पत्र प्रस्तुत करने तथा माननीय न्यायालय द्वारा अभियुक्त को युक्ति-युक्त रूप से संदेह से परे प्रमाणित पाने के फलस्वरूप आरोपी को आजीवन कारावास एवं अर्थ दण्ड से दण्डित किये जाने के फलस्वरूप दिया गया है। राजेन्द्र कुमार जायसवाल, तत्कालीन पुलिस उप अधीक्षक रायपुर वर्तमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बिलासपुर को वर्ष 2013 में आतंकवादी संगठन सिमी एवं इंडियन मुजाहिद्दीन से जुड़े लोगों को बैंक के माध्यम से पैसे भेजने की सूचना पर अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर अभियोग पत्र माननीय न्यायालय में प्रस्तुत करने एवं विचारण उपरांत माननीय न्यायालय द्वारा आरोपियों को 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास तथा अर्थ दण्ड से दण्डित किये जाने के फलस्वरूप दिया गया है। पदक प्राप्त करने वाले पुलिस अधिकारियों को पुलिस महानिदेशक द्वारा अपनी शुभकामनाएं देते हुए अन्य पुलिस अधिकारियों से भी गुणवत्तापूर्ण उत्कृष्ट अनुसंधान कर आरोपियों को न्यायालय से दण्डित कराने की अपेक्षा की गई है।

सरेआम शराब पीते 17 लोगों को गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी पुलिस ने नशेडियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते 17 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

मिली जानकारी के अनुसार आरंग पुलिस ने केनाल रोड के पास सरेआम शराब पीते आरोपी नरोत्तम साहू 35 वर्ष, गोलबाजार पुलिस ने आरोपी ईश्वर लाल पटेल 38 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह आमानाका पुलिस ने आरोपी सदीक साव 21 वर्ष, भूपेंद्र साहू 33 वर्ष व पंकज साहू 34 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं खमतराई पुलिस ने आरोपी शंकर सिन्हा 35 वर्ष, सागर साहू 28 वर्ष, ओम नारायण साहू 31 वर्ष व दीनेश केवट 36 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह मोवा पुलिस ने आरोपी राघवेंद्र चौधरी 30 वर्ष व खम्हारडीह पुलिस ने आरोपी नीलकण्ठ यादव 31 वर्ष, सुमीत अवस्थी 32 वर्ष, डी शिवराम राव 23 वर्ष, प्रताप छूरा 30 वर्ष, राजेश कुमार भोई 27 वर्ष व पवन दल 21 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं तेलीबांधा पुलिस ने आरोपी कमल कोडेल 43 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए फार्म भरने की तारीख 27 तक बढ़ी

बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक नर्सिंग और साइकियाट्रिक नर्सिंग पाठ्यक्रम में मिलेगा प्रवेश

रायपुर । छत्तीसगढ़ में चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय और निजी कॉलेजों में वर्ष 2023 शैक्षणिक सत्र में विभिन्न नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि को 27 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है। अब इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन ऑनलाईन 27 अगस्त शाम 5 बजे तक भर सकते है। पहले यह तिथि 24 अगस्त निर्धारित थी। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा इन ऑनलाईन प्राप्त आवेदनों के माध्यम से बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग और पोस्ट बेसिक डिप्लोमा इन साइकियाट्रिक नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। अभ्यर्थी चिकित्सा शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर लॉगइन कर आवेदन भर सकते है। चिकित्सा शिक्षा विभाग नर्सिंग पाठ्यक्रम काउसलिंग समिति के अध्यक्ष डॉ. देवप्रिय रथ से प्राप्त जानकारी के अनुसार नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवेदन शुल्क भी निर्धारित किया गया है। अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को एक हजार रूपये और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को पांच सौ रूपये आवेदन शुल्क देना होगा। अभ्यर्थियों को ऑनलाईन आवेदन के साथ ही संस्था का चयन भी करना होगा। संस्था चयन के लिए अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को ऑनलाईन आवेदन भरने के बाद लॉक और सबमिट करने के बाद भी अंतिम तिथि तक परिवर्तन की सुविधा रहेगी। ऐसे आवेदनों में परिवर्तनों के लिए एडिट शुल्क एक हजार रूपये अतिरिक्त जमा करना होगा। एडिट करते समय ई-मेल और मोबाईल नम्बर परिवर्तनीय नहीं होंगे। स्कूटनी एवं प्रवेश प्रक्रिया छत्तीसगढ़ नर्सिंग पाठ्यक्रम प्रवेश नियम 2019 और संशोधन नियम 2022 के प्रावधानों के तहत की जाएगी। इस संबंध में विस्तृत जानकारी, काउसलिंग, आवंटन आदि चिकित्सा शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर भी प्राप्त की जा सकती है।

साइबर ठगी के बीच सरकारी नौकरी के नाम करोड़ों की ठगी

रायपुर । राजधानी में साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के बीच नौकरी के नाम पर ठगी के केस ने पुलिस को परेशान कर रखा है। सरकारी विभागों में नौकरी लगाने का ऐसा खेल राजधानी सहित पूरे प्रदेश में चल रहा है। इस तरह की ज्यादातर ठगी रायपुर में ही अंजाम दी जा रही है। हाल ही में नौकरी के नाम पर झांसा देने के दो मामलों में करोड़ों रुपये ऐंठने की बात सामने आई है। इस साल अब तक करीब 48 केस सामने आए हैं। इनमें से 11 मामलों में एफ्आइआर हो चुकी है और 37 शिकायतों में जांच चल रही है। 11 केस में 17 गिरफ्तार हो चुके हैं। इन सभी मामलों की पड़ताल में पता चला कि आरोपितों ने पीड़ितों को फर्जी नियुक्ति पत्र और अन्य दस्तावेज थमा कर रकम ली गई है। ये सभी उग सरकारी विभागों का हूबहू वैसा ही आदेश कूटरचित तरीके से तैयार करते हैं, जैसा संबंधित विभागों की तरफ से निकाला जाता है। ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी के अलावा कूटरचित दस्तावेज तैयार करने के भी केस लगे हैं। हाल ही में जो मामले सामने आए हैं, उनमें राजस्व, रेलवे, पीडब्ल्यूडी, आपदा प्रबंधन विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग और बिजली विभाग में नौकरी लगाने की बात कही गई।

नौकरी लगाने का दावा करने वालों की बातों में न आएं। इसको लेकर पुलिस ने अलर्ट किया है। कोई ऐसा झांसा दे रहा है तो पुलिस को सूचित करें विभागों में इस तरह से नौकरी लगाने के नाम पर रुपये नहीं लिए जाते। अगर कोई भी ऐसा दावा करता है। तो वह गलत है। एडिशनल एसपी, क्राइम अभिषेक माहेश्वरी ने बताया कि नौकरी के नाम पर ठगी के मामलों को पुलिस प्रमुखता से देखती है। कई मामलों में आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस लगातार अलर्ट भी करती है।

अवैध शराब के साथ 5 गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी के अलग-अलग थाना क्षेत्रों पुलिस ने अवैध शराब बेचते 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 92 पाव देशी शराब व 1080 रुपए बिक्री रकम जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार खरोरा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम अरसेना पुलिया के पास दबिश देकर अवैध शराब के साथ आरोपी कमलेश खुटे 19 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 18 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 380 रुपए जब्त किया है। इसी तरह माना पुलिस ने आरोपी राधेश्याम निषाद 52 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 22 पाव देशी शराब जब्त किया है। वहीं मंदिरहसौद पुलिस ने आरोपी राधेश्याम जांगड़े 36 वर्ष व अजीत कुमार कुर्रे 35 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन दोनों के पास से 32 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 700 रुपए जब्त किया है। इसी तरह उरला पुलिस ने आरोपी दुर्गेश जोशी 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 20 पाव देशी शराब जब्त किया है। पुलिस ने इन पांचों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

दो बाइक आपस में टकराई, अधेड़ की मौत

रायपुर। एनएच-53 आरंग स्थित तितली ढाबा के पास दो बाइक आपस में टकरा गई। इस हादसे में घायल अधेड़ की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले में पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक जनकराम साहू 47 वर्ष ग्राम नारा का रहने वाला था। वह अपनी बाइक से कहीं जा रहा था, तभी तितली ढाबा के पास बाइक क्रमांक सीजी 04 पीडी 1997 से टकरा गया था। इस हादसे में जनकराम गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसका अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले में पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सूने मकान से हजारों रुपए का सामान पार

रायपुर। गोवर्धन नगर नेवरा स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने हजारों रुपए का सामान पार कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया मंजू चांडक 45 वर्ष कर्मचारी कालोनी दुर्ग की रहने वाली है। बताया जाता है कि प्रार्थिया की पैतृक मकान गोवर्धन नगर नेवरा है, जहां कोई नहीं रहता है। बताया जाता है कि 22 अगस्त की रात उक्त सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने चांदी का कटोरा, गिलास व ऑटो पार्ट्स पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 80 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। पड़ोसियों ने इसकी सूचना प्रार्थिया को दी। जिससे मौके पर पहुंची प्रार्थिया ने अज्ञात चोरों के खिलाफ थाने में शिकायत की। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफअपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने स्वच्छता, और संक्रमण की रोकथाम के लिए उत्कृट कार्य करने वाले 25 आयुष संस्थाओं को दिए पुरस्कार

आयुष संस्थाओं में स्वच्छता को बढ़ावा देने और संक्रमण की रोकथाम के लिए कायाकल्प-आयुष का क्रियान्वयन, छत्तीसगढ़ ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य

रायपुर । उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव ने स्वच्छता को बढ़ावा देने, संक्रमण की रोकथाम और अपशिष्ट प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राज्य के 25 आयुष संस्थाओं को पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने आज रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित कायाकल्प-आयुष पुरस्कार समारोह में ये पुरस्कार वितरित किए। स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का चार चरणों में मूल्यांकन के बाद उत्कृष्ट पाए गए 25 आयुष संस्थाओं का इन पुरस्कारों के लिए चयन किया गया था। राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत केन्द्रीय आयुष मंत्रालय के दिशा-निर्देशानुसार आयुष संस्थाओं में स्वच्छता को बढ़ावा देने, संक्रमण की रोकथाम तथा अपशिष्ट प्रबंधन के साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रदेश में कायाकल्प-आयुष का क्रियान्वयन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य है।

कायाकल्प-आयुष की शुरूआत के बाद पूरे देश में आज पहली बार छत्तीसगढ़ में आयुष संस्थाओं के मूल्यांकन के बाद चयनित संस्थाओं को पुरस्कृत किया गया। संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, विधायक सत्यनारायण शर्मा, रायपुर नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे, रायपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा, केन्द्रीय आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती कविता गर्ग और चिकित्सा शिक्षा विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी. पिल्लै भी कायाकल्प-आयुष पुरस्कार समारोह में शामिल हुईं।

उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आयुर्वेद में हजारों साल से जानकारी है। इसके इस्तेमाल से लोगों को सदियों से उपचार और राहत मिल रही है। पूरी दुनिया में अभी परंपरागत औषधियों को लेकर बात हो रही है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद आयुष डॉक्टरों से कहा कि आप लोगों के पास इस ज्ञान की धरोहर है जिसके माध्यम से आप लोग मरीजों का इलाज कर रहे हैं। आप लोग इस ज्ञान और इन पद्धतियों को आत्मविश्वास के साथ लोगों तक पहुंचाएं। उप मुख्यमंत्री श्री सिंहदेव ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश की आयुष संस्थाओं में काफी बदलाव आया है। राज्य और केंद्र सरकार से इसके लिए लगातार सहयोग और राशि मिल रही है। उन्होंने इनका सदुपयोग करते हुए इन पद्धतियों का ज्यादा से ज्यादा लाभ लोगों तक पहुंचाने तथा आयुष संस्थाओं को सुदृढ़ बनाने में करने को कहा। उन्होंने आयुष संस्थाओं के डॉक्टरों और स्टॉफ को बधाई देते हुए कहा कि आप लोगों ने छत्तीसगढ़ को गौरव प्रदान किया है। इसके लिए मैं आप लोगों को धन्यवाद देता हूं। पूरे देश में आज पहली बार आयुष संस्थाओं के मूल्यांकन के बाद उन्हें पुरस्कार दिए जा रहे हैं। जिन संस्थाओं को आज पुरस्कार मिल रहा है वे अन्य संस्थाओं के लिए

पथ प्रदर्शक बनने के साथ ही अपना स्तर लगातार आगे लेकर जाएं। केन्द्रीय आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव और राष्ट्रीय आयुष मिशन की प्रभारी श्रीमती कविता गर्ग ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक परिदृश्य में आयुष लगातार अपना स्थान बना रहा है। भारत पूरी दुनिया में इसका अगुवा बन सकता है। उन्होंने आयुष को बढ़ावा देने और आयुष संस्थानों की मजबूती के लिए छत्तीसगढ़ द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि यहां 400 आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स फंक्शनल है। छत्तीसगढ़ को इसके लिए जो लक्ष्य दिया गया था उसे राज्य ने शत-प्रतिशत हासिल किया है। श्रीमती गर्ग ने छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत कायाकल्प-आयुष के क्रियान्वयन को भी काफी सराहा। उन्होंने कहा कि यहां की आयुष संस्थाएं वॉलिंटियर कर पूरे भारत में जाएं और दूसरे राज्यों के अस्पतालों को बताएं कि उन्होंने यहां इसे कैसे अंजाम दिया। चिकित्सा शिक्षा विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी. पिल्लै ने समारोह में बताया कि 1174 आयुष संस्थाओं में से 1054 संस्थाओं ने कायाकल्प-आयुष में भागीदारी की। राज्य की 90 प्रतिशत संस्थाओं की सहभागिता काफी उत्साहवर्धक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में राज्य की सभी आयुष संस्थाएं इसमें हिस्सा लेंगी। उन्होंने राज्य की आयुष संस्थाओं में स्वच्छता, संक्रमण पर नियंत्रण और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए किए गए कार्यों के लिए सभी संस्थाओं और वहां की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह कार्यस्थल में अपने काम के प्रति गौरव को बढ़ाता है। यह मरीजों और उनके परिजनों के साथ-साथ अस्पताल के स्टॉफ को भी सुरक्षित रखता है। आयुष विभाग की संचालक सुश्री नम्रता गांधी ने कार्यक्रम में आयुष संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के लिए किए जा रहे नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं और कायाकल्प-आयुष के तहत आयुष संस्थाओं के मूल्यांकन के बारे में भी बताया। समारोह में एनएबीएच के फैकल्टी डॉ. किरण पंडित ने 'आयुष संस्थाओं में गुणवत्ता उन्नयन का महत्व एवं संभावनाएं' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने इस दौरान अस्पतालों के लिए निर्धारित अलग-अलग मानकों की जानकारी दी। उन्होंने एनएबीएच मानक हासिल करने की प्रक्रिया और मूल्यांकन पद्धति के बारे में भी बताया। शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय रायपुर के छात्र-छात्राओं ने समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

इन अस्पतालों को मिला पुरस्कार

कायाकल्प-आयुष के अंतर्गत जिला आयुर्वेद चिकित्सालय श्रेणी में जिला आयुर्वेद चिकित्सालय जगदलपुर को प्रथम पुरस्कार मिला। जिला एलोपैथी चिकित्सालय जगदलपुर में सहस्थापित आयुष विंग तथा आयुष स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर सूरजपुर को अपनी-अपनी श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। इन तीनों संस्थाओं को क्रमशः दो लाख रूपए, डेढ़ लाख रूपए और सवा लाख रूपए की पुरस्कार राशि दी गई। राजनांदगांव जिले के आयुष स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर डोंगरगढ़ को 50 हजार रूपए का द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। आयुष औषधालय श्रेणी में हर संभाग के तीन-तीन संस्थाओं को पुरस्कृत किया गया। इन्हें प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के रूप में क्रमशः 75 हजार रूपए, 50 हजार रूपए और 25 हजार रूपए की पुरस्कार राशि दी गई। रायपुर संभाग में गरियाबंद जिले के आयुर्वेद औषधालय अकलवारा को प्रथम, धमतरी के आयुर्वेद औषधालय परसापानी को द्वितीय और रायपुर के आयुर्वेद औषधालय टेकारी (जुलुम) को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। बिलासपुर संभाग में रायगढ़ जिले के बर्रा, भेडवन और समकेरा आयुर्वेद औषधालय को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिया गया। सरगुजा संभाग के अंतर्गत बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के होम्योपैथी औषधालय वाड्रफनगर को प्रथम और इसी जिले के होम्योपैथी औषधालय पेंड्री को द्वितीय तथा जशपुर जिले के आयुर्वेद औषधालय बंदरचुआ को तृतीय पुरस्कार मिला। बस्तर संभाग में कोंडागांव जिले के आयुर्वेद औषधालय बोरगांव को प्रथम, कांकेर जिले के आयुर्वेद औषधालय तरहुल को द्वितीय और इसी जिले के आयुर्वेद औषधालय दबेना को तृतीय पुरस्कार दिया गया। दुर्ग संभाग के तहत राजनांदगांव जिले के आयुर्वेद औषधालय पदुमतरा को प्रथम, राजनांदगांव के ही आयुर्वेद औषधालय विचारपुर को द्वितीय तथा कबीरधाम के आयुर्वेद औषधालय सिंघनगढ़ को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। आयुष केंद्र एवं स्पेशलिटी क्लीनिक श्रेणी में बिलासपुर, सरगुजा और बस्तर संभाग के दो-दो आयुष संस्थाओं को पुरस्कृत किया गया। इस श्रेणी में प्रथम पुरस्कार के रूप में 75 हजार रूपए और द्वितीय पुरस्कार के तौर पर 50 हजार रूपए की राशि दी गई। बिलासपुर संभाग के रायगढ़ जिले के आयुष केन्द्र कनकबीरा को प्रथम और कोरबा के आयुष स्पेशलिटी क्लीनिक लेमरू को द्वितीय पुरस्कार से नवाजा गया। सरगुजा संभाग के अंतर्गत सूरजपुर के आयुष स्पेशलिटी क्लीनिक बसदेई को प्रथम एवं जशपुर के आयुष केन्द्र भेंलवां को द्वितीय पुरस्कार दिया गया। बस्तर संभाग के तहत कांकेर जिले के आयुष केन्द्र कोटतरा को प्रथम और कोंडागांव के आयुष केन्द्र अनतपुर को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

कोरबा, महासमुंद एवं जांजगीर –चांपा से एक साथ प्रकाशित
संवाद साधना

संपादकीय

जांजगीर,शुक्रवार 25 अगस्त 2023
Email - sadhana.vivek@gmail.com
Web : www. samvadsadhana.com

नजरिया

इसरो की अंतरिक्ष आर्थिकी

इसरो अपनी स्थापना के करीब 61 सालों में भारतीय अंतरिक्ष गतिविधियों का सूत्रधार रहा है। यदि आज दुनिया भर में 'चंद्रयान-3' की चर्चा है और वह कौतुहल-सा बना है, तो उसमें इसरो के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तमाम इकाइयों की अनथक मेहनत और अत्याधुनिक विज्ञानी तथा प्रौद्योगिकीय मेधा का ही योगदान है। केंद्रीय अंतरिक्ष विज्ञान मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने एक साक्षात्कार में खुलासा किया था कि हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम अर्थव्यवस्था के विस्तार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, लेकिन इसरो के सीमित आर्थिक संसाधनों की भी चर्चा की जानी चाहिए। इसरो से अपेक्षाएं हैं कि वह 100 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का आधार बने, लेकिन अमरीका, रूस, चीन, जापान आदि देशों की तुलना में इसरो के संसाधन 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान हैं। यदि अमरीका में नासा का बजट 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक है, तो इसरो का बजट 2023-24 में 12,544 करोड़ रुपए तय किया गया था। लक्ष्य एक समान हैं कि चांद पर पांव रखें। सूर्य का मिशन 'आदित्य एल-1' कामयाब रहे और 'गगनयान' के जरिए मानव को अंतरिक्ष की सैर कराई जाए। हालांकि यह कैसे और कब संभव होगा, रोबोट पर परीक्षण करने के बाद ही इसरो और उसके वैज्ञानिक किसी निष्कर्ष पर पहुंच सकेंगे। बहरहाल इसरो के बजट का संदर्भ है, तो पहला सवाल यह किया जा सकता है कि 2022-23 के बजटीय आवंटन से करीब 8 फीसदी कम क्यों किया गया? हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। आजकल प्रधानमंत्री मोदी ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के दावे करने लगे हैं। भारत सरकार का लक्ष्य है कि इसरो विश्व की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में देश की हिस्सेदारी बढ़ाए। फिलहाल यह मात्र 2 फीसदी है, लेकिन बजट को लेकर सरकार की चिंता गंभीर नहीं है। वित्त वर्ष 2021-22 में भी बजट 12,474 करोड़ रुपए था। आखिर यह ठहराव-सा क्यों है? अर्थव्यवस्था का संदर्भ है, तो आज करीब 150 निजी स्टार्टअप अंतरिक्ष गतिविधियों को लेकर काम कर रहे हैं। वे इसरो की विज्ञानी एवं प्रौद्योगिकी विशेषज्ञताओं के साथ-साथ उसके बुनियादी ढांचे और डाटा का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। क्या इन गतिविधियों से हमारी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा नहीं मिलता? वैसे अंतरिक्ष गतिविधियों की हमारी अपनी सरकारी विरासत भी है, जिसके तहत पीएसएलवी, जीएसएलवी, एसएसएलवी के जरिए भारत सेटेलाइट लॉन्च करता रहा है। यह इसरो की रोजी-रोटी भी है। भारत जुलाई, 2023 तक 36 देशों के 431 सेटेलाइट्स को अंतरिक्ष में भेज चुका है। इस काम के जरिए हमने जुलाई, 2022 तक 22.30 करोड़ डॉलर कमाए हैं। भारत दुनिया के 10 देशों में एक है, जो रॉकेट लॉन्च करने में सक्षम है। हम 15 शीर्ष देशों में सम्मिलित देश हैं, जिसके अनेक उपग्रह अंतरिक्ष की विभिन्न कक्षाओं में स्थित हैं, लेकिन वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी मात्र 2 फीसदी है। भारत का लक्ष्य दशक के अंत तक 9 फीसदी का है। एक अंतरराष्ट्रीय कंपनी का आकलन है कि 2040 तक भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 40 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। यही नहीं, भारत की क्षमता 100 अरब डॉलर की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था तक पहुंचने की है, लेकिन उसमें सरकार का सहयोग और समर्थन बेहद जरूरी है। उसके लिए इसरो का पर्याप्त बजट और वैज्ञानिक भी बेहद अनिवार्य हैं, ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम में भी नवाचार किया जा रहा है। वह परिवर्तनकारी है, सिर्फ गिनती के तौर पर विस्तार नहीं पा रहा है। सालों गुजर गए हैं, लेकिन इसरो अपने श्रम-बल और कार्यबल को बढ़ा कर ताकतवर नहीं बना सका है, क्योंकि उसके आर्थिक संसाधन सीमित हैं। यह भी गौरतलब तथ्य है कि अंतरिक्ष कार्यक्रमों और विज्ञान पर पीएचडी करने वाले शोधार्थियों का गिनती भी लगातार घट रही है। यदि ऐसे ही रुझान मौजूद रहे, तो हम महत्वाकांक्षी मिशन को कामयाबी के साथ पूरा करने में नाकाम रहेंगे और अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समन्वय भी हासिल नहीं कर सकेंगे। 'चंद्रयान-3' के ऐतिहासिक अवसर पर कमोबेश प्रधानमंत्री और कैबिनेट को गंभीर मंथन जरूर करना चाहिए। अंतरिक्ष अनुसंधान पर हमारा कुल खर्च अन्य देशों की तुलना में बहुत कम है, इसलिए इसे बढ़ाया जाना चाहिए।

गुरु-शिष्य में सामंजस्य होना जरूरी

जिला ऊना के एक सीमावर्ती सरकारी स्कूल के छात्र व उसके पिता द्वारा स्कूल प्रिंसिपल के साथ मारपीट का मामला जब ध्यान में आता है, तो अनायास ही मुझे अपने स्कूल के दिन याद हो आते हैं। उस समय अन्य कई उपदेशक वाक्यों के साथ गुरु जी हमें स्कूल में यह वाक्य भी खूब रटाया करते थे, 'स्पेयर द रॉड, सपॉइल द चाइल्ड।' जो इसे याद न कर पाता, उसे गुरु जी छड़ी दिखा-दिखा कर याद करवा लेते। यदि फिर भी बात न बनती, तो छड़ी हथेली पर पड़ कर याद करवा देती। आज न मेरी इन उंगलियों में वो ताकत होती, न मेरी कलम में इस साफगोई से लिखने की सलाहियत होती, यदि मेरे पिता जी, जो मेरे अध्यापक भी रहे, इस कलम को इन उंगलियों के बीच में न भींचते। प्रिंसिपल से मारपीट की इस घटना का ध्यान आते ही अपना अब तक का 24 वर्षीय अध्यापन काल भी ज़ेहन में उभर आता है। इस दौरान अच्छा-बुरा, हर तरह का समय देखा, पर इस तरह की घटना से दो-चार नहीं होना पड़ा। इसलिए भगवान का शुक्रिया जरूर करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि बाकि का बचा हुआ अध्यापन काल भी बस सही-सही गुजर जाए! उक्त घटना के पीछे का कारण जांच का विषय है। मामला जो भी रहा हो, यह घटना सचमुच आधुनिक शिक्षा पद्धति पर शर्मनाक दाग है। सचमुच अब जमाना बदल गया है। तख्तियों से मोबाइल फोन तक आते-आते बहुत कुछ बदल गया।

गुरु जी इतने मजबूर हो गए हैं कि बच्चा बिगड़े तो बिगड़े, पर छड़ी बची रहनी चाहिए। आधुनिक शिक्षा, विशेषज्ञ शिक्षाविद व मनोवैज्ञानिक ऐसा ही कह रहे हैं। सवाल पुरानी या नयी पद्धति का बेहतर और खराब होने का नहीं है, बल्कि सामंजस्य का है क्योंकि ध्यातव्य व व्यावहारिक बात यह भी है कि कुछ बच्चे प्यार से, कुछ दुलार से, कुछ डांट-डपट

से व कुछ छड़ी की चोट से जीवन में आगे बढ़ते हैं। ऐसी घटनाओं की बात की जाए तो फेहरिस्त काफी लंबी है। कुछ महीनों पहले बड़सर के सरकारी स्कूल में भी अध्यापक से मारपीट का मामला सामने आया था। दिसंबर 2021 में हमीरपुर के एक सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक छात्र ने अध्यापक पर हाथ उठा दिया था। कुछ वर्ष पहले दिल्ली के सुलतानपुरी इलाके के एक सरकारी स्कूल में अध्यापक का उसके ही शिष्य ने कत्ल कर दिया था। यह घटना गुरु-शिष्य के बीच बिगड़ते रिश्ते की पराकाष्ठा है। दिसंबर 2014 में झारखंड के एक स्कूल के सातवीं कक्षा के तीन छात्रों ने अपने अध्यापक को इसलिए मार डाला क्योंकि उक्त अध्यापक ने उन्हें धूम्रपान न करने की सलाह दी थी। फरवरी 2012 में चिन्नई के एक स्कूल में नवीं कक्षा के छात्र ने चाकू से अपने अध्यापक की जान ले ली। हमारे प्रदेश में भी इस तरह की घटनाएं होती आयी हैं। 14 दिसम्बर 1998 में अरसू के एक सरकारी स्कूल के नवीं कक्षा के एक छात्र ने प्रधानाचार्य पर सरिये से वार किया जिसके कारण उनकी मौत हो गयी। अगस्त 2014 में संजौली कॉलेज में छात्रों ने प्रधानाचार्य व अन्य शिक्षकों के साथ मारपीट की थी। कुछ वर्ष पहले गंगथ के सरकारी स्कूल के एक छात्र ने सुबह-सवेरे स्कूल ग्राउंड में प्रधानाचार्य का गला पकड़ लिया था।

एक जमाना था जब स्कूल में की गई किसी शरारत के लिए शिक्षक तो सजा देते ही देते थे, पर साथ में माता-पिता भी कोई कसर नहीं छोड़ते थे। परंतु बदलते वक्त के साथ गुरु-शिष्य के संबंधों में बहुत खटास और दूरी आ गयी है। जिस देश में शिष्य अपने गुरु को देवतुल्य मानता आया है, वहीं आज इस रिश्ते में इतनी तल्खी और हिकारत आ गयी है कि नौबत मारपीट तक ही नहीं, बल्कि कभी कत्ल तक भी पहुंच जाती है। जिस देश का इतिहास गुरु-शिष्य की आदर्श परंपरा के उदाहरणों से भरा पड़ा है, उस देश में आज गुरु-शिष्य के बीच बढ़ती खाई एक समस्या बनती जा रही है। विद्यालय में मुल्क के भविष्य को सींचा जाता है और भाग्य की रेखाएं खींची जाती हैं। इस मुकद्दस जगह पर इल्म के चिराग जला कर गुरु अपने शिष्य के अज्ञान के अंधेरे को दूर करने का प्रयास करता है और उसे अनुशासन, संस्कार और शिष्टाचार का सबक पढ़ाता है। परंतु जो कुछ घटित हो रहा है, उससे साफ जाहिर है कि धीरे-धीरे शिक्षण संस्थान अनुशासनहीनता, बदजुबानी, मारपीट और हिंसा के केंद्र बनते जा रहे हैं। मैं यह तो कतई नहीं कह रहा हूं कि अध्यापक को अपने शिष्य को पीटने का मालिकाना हक है, परंतु अपने शिष्य को सही राह दिखाना, पथभ्रष्ट होने से रोकना, गलती पर टोकना, उसे अनुशासित रहने का सबक सिखाना गुरु के लिए अगर गुनाह हो गया है, तो आखिर इन शिक्षा के मंदिरों का औचित्य क्या है? क्या संत कबीर की ये पंक्तियां सिर्फ किताबी छलावा हैं -'गुरु कुम्हार शिष कुंभ हैज्अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहे चोट।' पठन-पाठन केवल किताबों से नहीं, बल्कि दिल से होता है, गुरु-शिष्य संवाद से होता है। अध्यापक और शिष्य का रिश्ता वर्चस्व स्थापित करने का नहीं, बल्कि आपसी समझ का रिश्ता है। गुरु-शिष्य के बीच बढ़ती दूरियों के लिए वे अभिभावक भी जिम्मेदार हैं जो समझते हैं कि शिक्षक एक कर्मचारी है जिसे तनख्वाह दी जाती है और वे इसके लिए फीस अदा कर रहे हैं। गुरु-शिष्य का रिश्ता ग्राहक और दुकानदार का पेशा नहीं है। शिक्षण ऐसा कार्य है जिसमें शिष्य में ज्ञान प्राप्ति का जुनून व समर्पण की भावना होनी चाहिए और गुरु में अपने ध्येय के प्रति निष्ठा। घर बच्चे की पहली पाठशाला होती है और मां-बाप पहले अध्यापक। बच्चों के मानस पटल पर घर के माहौल और वहां मिल रही तरबीयत का गहरा असर होता है। अत्यधिक खुले वातावरण ने बच्चों का भला कम और नुक्सान ज्यादा किया है। यदि उचित समय पर बच्चों को सही राह न दिखाई जाए, तो आगे चल कर वे समस्या बन जाते हैं। मां-बाप को याद रखना चाहिए कि बच्चे की बेहतर परवरिश के लिए डांट व दुलार, फटकार व शाबाशी, थपेड़े व पुचकार की जरूरत होती है, ताकि उसका विकास एकतरफा न हो। यदि गुरु, शिष्य व अभिभावक विद्यालयों में दोस्ताना तालिमी माहौल नहीं बना सकते, तो मैं तो ईश्वर से यही प्रार्थना करूंगा कि अगले जन्म में मुझे कुछ और बनाना, अध्यापक नहीं बनाना।

सफलता का सच

समय यानी 'काल' को तीन हिस्सों में बांटा जा सकता है। वे तीन हिस्से हैं- भूत (वह समय जो गुजर गया), वर्तमान (समय जो अभी चल रहा है) और भविष्य (समय जो अभी आएगा)। भूतकाल, वर्तमान काल और भविष्य काल। अंग्रेजी में कहा जाता है- पास्ट टेंस, प्रेजेंट टेंस और फ्यूचर टेंस। टेंस का मतलब काल खंड तो है ही, टेंस का एक अर्थ 'तनाव' भी होता है। अब यदि इस मतलब के साथ पास्ट, प्रेजेंट और फ्यूचर को जोड़ें तो हमारे पास आएगा- पास्ट टेंस, यानी तनाव भरा भूत काल, प्रेजेंट टेंस, यानी तनाव भरा वर्तमान काल, फ्यूचर टेंस, यानी तनाव भरा भविष्य काल। यानी, हमारे जीवन के तीनों मुख्य काल भूत, वर्तमान और भविष्य तनावपूर्ण हो जाते हैं। कुछ लोग अपने जीवन में अंग्रेजी के इस अनुवाद को हूबहू उतार लेते हैं और पूरा जीवन तनाव से ग्रसित रहते हैं। समय रहते वे समय की कद्र नहीं करते और जब समय बीत जाता है तो पछताते हैं और चिंतित होकर और भी समय बर्बाद करते हैं। हमारा जीवन समय से बना है, इसीलिए कहा जाता है कि फलां व्यक्ति इतने साल जिया। लेकिन ध्यान रखिए, साल दिनों से बने होते हैं और दिन घंटों से। एक दिन में चौबीस घंटे होते हैं और आप कुछ भी कर लें, दिन का समय बढ़ा नहीं सकते, चौबीस घंटे, चौबीस ही रहेंगे, आप इन्हें 25 नहीं कर सकते, 26 नहीं कर सकते, 30 नहीं कर सकते। और हमारी काबीलियत इसी में है कि हम इन 24 घंटों का पूरा लाभ उठायें। इन 24 घंटों में इतना कुछ कर जाएं कि दुनिया याद करे।

इस हफ्ते जब मैं अपनी अलमारी की सफाई कर रहा था तो रीडर्स डाइजेस्ट का एक बीस वर्ष पुराना अंक अचानक मेरे हाथ लग गया। दिसंबर 1996 के इस अंक में प्रकाशित एक लेख में मुंबई उच्च न्यायालय तथा मुंबई नगरपालिका कार्यालय पर लगे एक सूचनापट्ट का उल्लेख है, जिसने बरबस मेरा ध्यान खींचा। लेख में बताया गया है कि मुंबई उच्च न्यायालय की मुख्य सीढ़ियों के पहले पायदान पर ही एक तरफ बड़े से पट्ट पर इमारत के निर्माण के विवरण दर्ज हैं। इस विवरण में जो सूचना दी गई है, वह इस प्रकार से है -कार्य का आरंभ 1 अप्रैल 1871, काम समाप्त हुआ नवंबर 1878, खर्च का स्वीकृत पूर्वानुमान 1647196 रुपए, खर्च जो वास्तव में हुआ 1644528 रुपए।

इसके अतिरिक्त इस बोर्ड पर उन लोगों के नाम भी हैं जिन्होंने परियोजना को मंजूरी दी और इसका काम पूरा किया। इस सूचना के दो पहलू हमें तत्काल प्रभावित करते हैं, और वे हैं पारदर्शिता और जवाबदेही। इस सूचना पट्ट के माध्यम से इस परियोजना को मिले धन, समय और इसके लिए उत्तरदायी लोगों के बारे में जनता को बता दिया गया था, हालांकि इसमें यह उल्लेख नहीं है कि परियोजना को पूरा करने के लिए कितना समय दिया गया था, लेकिन जब वास्तविक खर्च एस्टीमेट से कम है तो यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि काम सख्त देखरेख में पूरा हुआ और परियोजना समय पर पूरी हुई। मजे की बात है कि जब यह लेख छपा था तो इमारत को बने 118 वर्ष गुजर चुके थे तो और वह इमारत तब भी मजबूती के साथ खड़ी थी। मुंबई नगर पालिका के कार्यालय पर भी ऐसा भी सूचना पट्ट लगा होने का उल्लेख है। ऐसे चमत्कार हम सिर्फ तब कर सकते हैं जब हम समय की कीमत समझें, समय का सदुपयोग करें, कठिनाइयों से न घबराएं, चिंतित न हों और अपने काम में लगे रहें। आशा के होते हुए भी अगर डर बना रहे तो आदमी आधे-अधूरे मन से कार्य करता है और अपनी असफलता की स्वयं ही गारंटी कर लेता है। डर हमारे आत्मविश्वास को हर लेता है और हम नाकारा होकर रह जाते हैं। डर और निराशा के कारण योग्य से योग्य व्यक्ति भी अपाहिजों का-सा जीवन जीने को विवश हो जाता है। यदि हम सिक्के के दूसरे पहलू पर दृष्टिपात करें तो हम पायेंगे कि डर के बावजूद हम आशा का दामन थामे रहें तो डर जाता रहेगा अथवा कम हो जाएगा।

शा का दामन थामे रहने से आत्मविश्वास डिगेगा नहीं और हम पूरे मनोयोग से कार्य करेंगे तथा अपनी सफलता सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयत्न करेंगे। थोड़ा-सा डर हमारे लिए लाभदायक ही होता है। आशा के साथ थोड़ा डर मिला होने पर हम चौकन्ने रहते हैं और अति-विश्वास के कारण की जाने वाली गलतियों से बचे रहते हैं। भय और आशा का यह मिश्रण बड़ा कारगर साबित हो सकता है, बशर्ते कि हम भयाक्रांत ही न हो जाएं। भय हमें सावधान करता है, भय हमें अनावश्यक जल्दी में गलत निर्णय लेने से बचाता है, भय हमें अपनी खूबियों और खामियों तथा अपने साधनों और स्त्रोतों का सांगोपांग विश्लेषण करने को बाध्य करता है। आम स्थितियों में हम जिन बातों को नजरअंदाज कर जाते, भय हमें उनसे खबरदार रहने की अक्ल देता है। भय एक नकारात्मक घटक है, परंतु बुद्धिमान और विवेकी लोगों के जीवन में भय बड़े काम की चीज है। भय और आशा के मिश्रण में भय की इस भूमिका को समझने की आवश्यकता है। यदि हम भय की इन खूबियों को समझ लें तो हम भय से पार पाकर भय का लाभ ले सकेंगे। तब हमारा मन आत्मविश्वास से भर जाएगा और जी-जान से अपनी सफलता के लिए कार्य करेंगे। जीवन में कभी भी किसी भी स्थिति में भय का भान होने पर हमें यह सोचना चाहिए कि हम क्यों भयभीत हैं। भय के कारणों का विश्लेषण करने से हमें मालूम पड़ जाता है कि क्या करना हमारे लिए गलत साबित हो सकता है और क्या उपाय करके हम भय के कारकों से दूर रह सकते हैं।

इस प्रकार भय का विश्लेषण करने से समस्या खुद-ब-खुद हल हो जाती है और भय का हल्का-सा भान हमारे लिए लाभदायक सिद्ध होता है। भय का भान होने पर यदि हम यह विश्लेषण करें कि हमारे भय का कारण क्या है तो हम समस्या की जड़ तक पहुंचने का प्रयत्न करते हैं। किसी भी समस्या को समझने का और उसका तोड़ निकालने का सबसे बढ़िया तरीका यह होता है कि हम समस्या को चरणों में या टुकड़ों में बांट लें। इससे समस्या को समझना आसान हो जाएगा। इस प्रक्रिया का लाभ यह है कि इस प्रकार हम न केवल केवल को समझ पाते हैंबल्कि उसका प्रभावी समाधान भी खोज लेते हैं। समस्या का इस प्रकार से विश्लेषण करने की प्रक्रिया में हमारी जिज्ञासा जागृत होती है और हम मामले की गहराई में उतरते हैं। किसी समस्या के समाधान के लिए हम जितना गहराई में जाते हैं, उतना ही उस समस्या को समझ पाने की समझ विकसित होती है और हमारा समाधान भी उतना ही प्रभावी होता है।

चेहरे पर जमा चर्बी कुछ ही दिनों में हो जाएगी छूमंतर, बस अपनाएं ये आसान टिप्स

चेहरे पर जमा फैट हमारे चेहरे की सुंदरता को खराब कर देता है। खासतौर पर मोटे गाल, डबल चिन और आई बैग्स चेहरे की खूबसूरती को कम कर देते हैं। वैसे तो शरीर के किसी एक हिस्से से चर्बी घटाना कठिन होता है, खासतौर पर चेहरे पर जमा चर्बी। लेकिन आप अपनी लाइफ स्टाइल में कुछ बदलाव करके चेहरे पर जमा जिद्दी फैट को कम कर सकते हैं।

कहते हैं कि चेहरा हमारी पहचान होता है। जबकि हम किसी से मिलते हैं तो सबसे पहले उसका चेहरा ही देखते हैं। यही वजह है कि लोग अपने चेहरे की ज्यादा देखभाल करते हैं। लेकिन कई बार चेहरे पर जमा फैट हमारे चेहरे की सुंदरता को खराब कर देता है। खासतौर पर मोटे गाल, डबल चिन और आई बैग्स चेहरे की खूबसूरती को कम कर देते हैं। वैसे तो शरीर के किसी एक हिस्से से चर्बी घटाना कठिन होता है, खासतौर पर चेहरे पर जमा चर्बी। लेकिन आप अपनी लाइफ स्टाइल में कुछ बदलाव करके चेहरे पर जमा जिद्दी फैट को कम कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको फेशियल फैट दूर करने की कुछ आसान टिप्स देने जा रहे हैं-

फेशियल एक्सरसाइज करें

जिस तरह से शरीर से फैट घटाने के लिए एक्सरसाइज होती है वैसे ही चेहरे पर जमा फैट को कम करने के लिए फेशियल एक्सरसाइज होती हैं। फेशियल फैट को कम करने के लिए आप लिप पुलअप, चिन लिफ्ट, फिश लिप, नेक कर्ल अप और एयर ब्लोइंग जैसी फेशियल एक्सरसाइज कर सकती हैं।

खूब पानी पिएँ

पानी पीना हमारे शरीर के लिए कितना फायदेमंद है यह तो आप जानते ही होंगे। पानी पीने से शरीर में जमा हानिकारक पदार्थ और अतिरिक्त वसा बाहर निकलते हैं। अगर आप चेहरे पर जमा चर्बी घटाना चाहते हैं तो खूब पानी पिएँ। इससे आपका मेटाबॉलिज्म बूस्ट होगा और फैट कम करने में मदद मिलेगी।

नमक का सेवन कम करें

अगर आप फेशियल फैट को घटाना चाहते हैं तो नमक का सेवन कम करें। दरअसल नमक में मौजूद सोडियम के कारण शरीर में पानी ठहरने लगता है जिसे वॉटर रिटेंशन कहते हैं। इसके कारण शरीर को डिटॉक्स करने में परेशानी होती है और हमारे शरीर में फैट जमा होने लगता है। इसके साथ ही हो सके तो सूप और सलाद में ऊपर से कच्चा नमक डालकर ना खाएं।

फेशियल करवाएं

वैसे तो महिलाएं चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए फेशियल करवाती हैं। लेकिन इससे चेहरे पर जमा चर्बी को दूर करने में भी मदद मिलती है। दरअसल फेशियल के दौरान मसाज से चेहरे में खून का संचार बढ़ता है और फेस पर जमा फैट बर्न होता है।

सिगरेट और शराब का सेवन न करें -अगर आप सिगरेट और अल्कोहल का सेवन करते हैं तो यह भी आपके फेशियल फैट को बढ़ाने का काम कर सकता है। सिगरेट और शराब पीने से शरीर में पानी की कमी होती है। जिसके कारण शरीर में हानिकारक तत्व जमा होने लगते हैं। इसके साथ ही शराब में कैलोरी की अधिक मात्रा होती है जिससे मोटापा और फेशियल फैट बढ़ता है।

रिफाइंड कार्ब्स का कम सेवन करें अगर आप शरीर में जमा चर्बी को घटाना चाहती हैं तो रिफाइंड कार्ब्स का सेवन कम करें। रिफाइंड कार्ब्स जैसे ब्रेड, कुकीज, पास्ता, पेस्ट्री और मिठाइयां खाने से शरीर और चेहरे पर फैट जमने लगता है।

भरपूर नींद लें

फेशियल फैट को कम करने के लिए बहुत जरूरी है कि आप भरपूर नींद लें। नींद पूरी ना होने के कारण शरीर में स्ट्रेस लेवल बढ़ता है जिससे हमारा ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होता है। नींद पूरी न होने के कारण शरीर में फैट जमा होने लगता है। इसलिए रात में कम से कम 6 से 8 घंटे की नींद लें।

डेब्यू से पहले ही शनाया कपूर ने चलाया हुस्न का जादू, अब इतने ग्लैमरस अंदाज में आई नजर

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर संजय कपूर की लाडली शनाया कपूर ने भी पिता की तरह एक्टिंग में अपना करियर तलाश लिया है. काफी समय से शनाया के डेब्यू को लेकर खबरें आ रही हैं. उनकी फिल्मों के नाम तक ऐलान हो चुके हैं. दूसरी ओर शनाया का ऐसा जलवा इन दिनों देखने को मिल रहा है कि सोशल मीडिया पर उनके फॉलोअर्स की लिस्ट लगातार बढ़ती जा रही है. शनाया ने अपने स्टाइलिश और ग्लैमर का जादू अभी से चला दिया है.

शनाया इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहने लगी हैं. लगभग हर दिन उनका एक नया और स्टाइलिश फोटोशूट सामने आ जाता है. अब फिर से उन्होंने अदाएं दिखाते हुए कई फोटोज शेयर की हैं. लेटेस्ट लुक में शनाया शॉर्ट व्हाइट स्कर्ट और मैचिंग का क्रॉप टॉप पहने हुए नजर आ रही हैं. इस को-ओर्ड सेट को उन्होंने काफी स्टाइलिश अंदाज में

कैरी किया है.शनाया ने यहां मिनिमल मेकअप रखा है. उन्होंने सटल बेस के साथ न्यूड ग्लॉसी लिप्स और स्मोकी आईज मेकअप किया है. इसके साथ उन्होंने मैसी हाई पोनीटेल बनाई है. वहीं, उनके चेहरे पर बिखरी जुल्फें उन्हें और अट्रैक्टिव बना रही हैं. शनाया ने अपने इस लुक को कैमरे के सामने फ्लॉन्ट करते हुए कई पोज दिए हैं. दूसरी ओर शनाया के वर्क फ्रंट की बात करें तो जल्द ही उन्हें जल्द ही सुपरस्टार मोहनलाल के साथ पैन इंडिया फिल्म वृषभा में देखा जाने वाला है और इसी फिल्म से शनाया अपने एक्टिंग का जौहर दुनिया के सामने पेश करने जा रही हैं. इससे पहले करण जौहर ने शनाया को बेधड़क में लॉन्च करने का ऐलान किया था, लेकिन अब कहा जा रहा है कि यह फिल्म डिब्बा बंद हो गई है.

कंटेंट के महत्व को अच्छे से समझता है ओटीटी : अदिति राव हैदरी

दिल्ली 6, जुबली, भूमि, ताज : डिवाइडेड बाय ब्लड और कई अन्य फिल्मों में अपने काम के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी को लगता है कि ओटीटी कंटेंट के महत्व पर जोर देता है और कलाकारों को क्रिएटिव करने की आजादी देता है।

अदिति ने पीरियड ड्रामा ताज : डिवाइडेड बाय ब्लड में अनारकली के रूप में अपने परफॉर्मेंस से दिल जीता। एक्ट्रेस ने हाल ही में कतर, दुबई और अबू धाबी में अपने फैंस के साथ मुलाकात की। आइकॉनिक किरदार निभाने के अपने एक्सपीरियंस साझा करते हुए अदिति ने कहा, ओटीटी के बारे में एक बात जो मुझे पसंद है, वह यह है कि यह राइटर्स, एक्टर्स और डायरेक्टर्स के लिए ज्यादा क्रिएटिविटी प्रदान करता है। यह कंटेंट के महत्व को समझता है। यही कारण है, मैंने ताज : डिवाइडेड बाय ब्लड पर काम करने का फैसला किया। अनारकली की भूमिका के लिए प्रसिद्ध एक्ट्रेस मधुबाला से तुलना की जाने वाली स्टार ने यह भी उल्लेख किया कि इसके लिए साइन अप करते समय उन्हें पता था कि ये बड़ी जिम्मेदारियां हैं। एक्ट्रेस के पास वर्तमान में जी5 ग्लोबल पर टाइटल्स की एक रोमांचक लाइब्रेरी है, जिसमें रोमांस ड्रामा दास देव, मलयालम थ्रिलर साइको और रणबीर कपूर-स्टारर ट्रैजेडी रोमांस रॉकस्टार जैसी फिल्में शामिल हैं।

कोरबा, महासमुंद एवं जांजगीर –चांपा से एक साथ प्रकाशित
संवाद साधना
मिलाजुला
जांजगीर,शुक्रवार 25 अगस्त 2023
Email - sadhana.vivek@gmail.com
Web : www. samvadsadhana.com

ब्लॉक स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलिम्पिक खेल का हुआ सम्पन्न

जीतने वाले खिलाड़ियों को मिला प्रमाण–पत्र

कोरिया । छत्तीसगढ़ी खेल परम्परा को आगे बढ़ाने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने विगत वर्षों से छत्तीसगढिया ओलम्पिक का आयोजन पूरे प्रदेश में कराने की घोषणा की थी। इसी तारतम्य में बैकुण्ठपुर विकासखण्ड में भी 16 प्रकार की छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक खेल का छह दिवसीय आयोजन 18 से 23 अगस्त तक किया गया था। छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक खेल का आयोजन विकासखण्ड बैकुंठपुर ग्राम पंचायत खरवत के स्कूल मैदान में किया गया, जिसका समापन श्री वेदांती तिवारी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष की मुख्य अतिथि व कार्यक्रम की अध्यक्षता खरवत ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती आनंदि कुमारी सोनपाकर ने की, जीतने वाले खिलाड़ियों व टीम को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए। अब ये खिलाड़ी जिलास्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक में भाग ले सकेंगे। इस अवसर पर बैकुण्ठपुर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मनोज सिंह जगत, जिला खेल अधिकारी श्री मुन्ना राम भगत, ब्लॉक नोडल अधिकारी श्री सादिर खान, राजीव युवा मितान क्लब के अध्यक्ष, छत्तीसगढ़िया ओलिम्पिक खेल में भाग लिए खिलाड़ी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिधि व ग्रामीण उपस्थित रहे।

गोधन न्याय योजना से जय सतनाम स्व सहायता समूह की महिलाओं को मिल रहा अतिरिक्त आय

समूह के महिलाओं ने वर्मी कम्पोस्ट विक्रय कर 419493 की आमदनी की

बेमेतरा । बेमेतरा विकासखंड के गौठान ग्राम आनंदगांव अंतर्गत जय सतनाम महिला स्व सहायता समूह ने गोधन न्याय योजना के जरिए वर्मी कम्पोस्ट व सुपर कम्पोस्ट उत्पादन व विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अब तक रुपये 4 लाख 19 हजार 493 की आमदनी की। समूह के द्वारा अब तक कुल 1776 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट खाद का उत्पादन एवं 1697 क्विंटल खाद का विक्रय किया जा चुका है। समूह की अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी बंजारे ने बताया कि उन्हे जिला प्रशासन द्वारा वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन एवं खेती बाड़ी आदि का प्रशिक्षण भी दिलाया गया था। उन्होने यह भी बताया कि उनकी समूह में 12 महिला सदस्य हैं जो अपनी घरेलू काम-काज निपटाकर गौठान में वर्मी कम्पोस्ट के साथ ही स्थानीय बाजारु मांग अनुसार विभिन्न घरेलू रसोई में उपयोग किए जाने वाले मशाले आदि भी बनाते हैं। इससे समूह की महिलाओं को अतिरिक्त आमदनी हो जाती है। समूह की अध्यक्ष

श्रीमती लक्ष्मी बंजारे ने बताया कि प्राप्त लाभांस राशि का उपयोग समूह की गतिविधि एवं सदस्यों में वितरण कर घरेलू आर्थिक उपयोग हेतु करते हैं। सदस्य श्रीमति लक्ष्मी बंजारे ने आय से जमीन एवं एक सदस्य ने दो पहिया वाहन खरीदा। महिला समूह की सदस्यों ने बताया कि गोधन न्याय योजना मे जुडने के बाद हमारी आर्थिक स्थिति में काफी ज्यादा सुधार आया है। इसके साथ ग्रामीण महिलाएं अपने बल पर अतिरिक्त आय प्राप्त कर पारिवारिक आर्थिक स्थिति को और बेहतर कर रही है। आज कि स्थिति में ग्रामीण स्तर पर शासन की हर भावी योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर उनके प्रति कार्य करने एवं अपनी बातों को ग्रामीण जनसमुदाय में स्पष्ट रूप से रख पाने में सक्षम हो गयी है। ये सिर्फ गोधन न्याय योजना में जुड़ने से उनकी मनोबल बढ़ने के साथ सशक्त भी हुई है। श्रीमती लक्ष्मी बंजारे ने बताया कि हमारे गौठान से उत्पादित वर्मी कम्पोस्ट एवं सुपर कम्पोस्ट का उपयोग कृषि विभाग के कई योजनाओं जैसे फसल प्रदर्शन में किया जा रहा है एवं सहकारी समिति के माध्यम से क्षेत्र के अन्य किसानों को इसका वितरण एवं विक्रय किया जा रहा है। जिससे कृषक इसके महत्व को समझ रहे हैं साथ ही जैविक खेती की ओर अग्रसर हो रहे है। महिला कृषक समूह के माध्यम से भविष्य में हर तरह की नई तकनीकी का उपयोग कर जैविक खेती को बढावा देने हेतु सभी तरह के प्रयास किए जा रहे है। जिसमें वर्मी कम्पोस्ट बनाने एवं उसका उपयोग हेतु अन्य कृषकों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। गोधन न्याय योजना छत्तीसगढ़ राज्य के गौपालकों, ग्रामीणों और किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण और उत्साहजनक योजना है। यह योजना राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य है ग्रामीण क्षेत्रों में जीवनस्तर को सुधारने, गौपालकों, ग्रामीणों और किसानों को समृद्धि प्राप्त करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए धरोहर (गोधन) के उपयोग को प्रोत्साहित करना है।

टीबी पीड़ित सुक्की पोड़ियामी ने दिया स्वस्थ बच्चे को जन्म

सुकमा। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम झापरा का आश्रित ग्राम मुलागुड़ा की निवासी सुक्की पोड़ियामी ने लोगों में व्याप्त वहम को दूर किया है। टीबी पीड़ित होने के बावजूद सुक्की ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेकर 8 अगस्त 2023 को एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया है। सुक्की 5 महीने की गर्भवती थी, इस दौरान वह टीबी से संक्रमित पायी गई थी। उन्होंने स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर भाग्यलक्ष्मी की परामर्श पर अपना इलाज जिला अस्पताल में कराया और नियमित रूप से दवाएं सेवन की। स्वास्थ्य में सुधार आने पर सुक्की ने चिकित्सकों के साथ ही शासन-प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया है। झापरा की ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी नेहा नाग ने बताया कि मितानिन स्वास्थ्य जांच के लिए सुक्की के घर पहुंची, जहां उनका गर्भवती जांच किया गया। साथ ही सुक्की को खांसी के साथ खून आने की शिकायत पर नमूना लेकर जांच किया गया। जहां 16 मई 2023 को सुक्की में टीबी धनात्मक पाया गया। इस दौरान वह 5 महीने की गर्भवती थी, जिन्हें उचित उपचार के लिए जिला अस्पताल में दाखिला कराया गया था। जिसे चिकित्सकों के डॉट्स लेने की परामर्श पर 18 मई को जिला समन्वयक टीबी व एचआईवी श्री जयनारायण सिंह ने दवाएं प्रदान की, जिनका उपचार आगामी छ: महीने यानि माह अक्टूबर 2023 तक चलेगा। चौथे माह के इलाज में सुक्की का शरिरीक वजन 34 किलो से बढ़कर प्रसूति के उपरान्त 38 किलो हुआ है। मितानिन के सहयोग से सुक्की के स्वास्थ्य पर निगरानी रखी जा रही है। नि:क्षय मित्र निर्मला कमलाकर बिड़वाई ने सुक्की पोड़ियामी को टीबी से जल्द ठीक होने के लिए 6 माह का पोषण आहार देकर सहायता प्रदान किया है। सुक्की ने बताया कि उन्हें पिछले 4 महीने से खांसी की शिकायत थी। उन्होंने खांसी से निजात पाने जड़ी बूटियों के साथ ही सिरहा गुनिया भी आजमाया, दिन बीतने पर खांसी में खून आने लगी थी। मितानिन के सलाह पर उन्होंने जिला अस्पताल में टीबी का जांच कराया, जहां टीबी की पुष्टि होने पर 18 मई से दवाएं सेवन करना प्रारंभ की। उन्होंने बताया कि 8 अगस्त को उन्होंने द्वितीय संतान की सुख प्राप्त की।

विशेष पिछड़ी जनजाति के सदस्यों ने लिया शत प्रतिशत मतदान का संकल्प

कमार जनजाति के सदस्यों और स्कूली बच्चों ने मानव श्रृंखला और जागरूकता रैली निकालकर मतदान में भागीदारी का दिया संदेश

गरियाबंद । आगामी विधानसभा निर्वाचन के मद्देनजर जिले में विभिन्न प्रकार के मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही विशेष पिछड़ी जनजाति के सदस्यों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके अलावा मतदाताओं का नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के लिए मतदाता पुनरीक्षण अभियान भी चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज विकासखंड गरियाबंद के ग्राम नागाबुड़ा में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गांव के विशेष पिछड़ी जनजाति के सदस्यों ने भाग लेकर शत प्रतिशत मतदान का संकल्प लिया।

साथ ही समाज के सभी सदस्यों को निर्वाचन में भाग लेने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इस दौरान कमार जनजाति के सदस्यों और स्कूली बच्चों ने 'रेडी टू वोट' लिखे शब्दों का मानव श्रृंखला निर्माण किया। साथ ही मतदाता जागरूकता रैली

निकालकर ग्रामीणों को मतदान के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री आकाश छिकारा और जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रीता यादव भी शामिल हुए।

कलेक्टर श्री छिकारा ने विशेष पिछड़ी जनजाति के सदस्यों और ग्रामीणों को आगामी निर्वाचन में अपने मताधिकार का उपयोग करने और लोकतंत्र में अपना योगदान देने की शपथ दिलाई। लोगों ने निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति एवं समुदाय से प्रभावित हुए बिना निर्वाचन में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ ली। मतदाता जागरूकता रैली में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नागाबुड़ा के स्कूली बच्चों ने मतदाता जागरूकता से संबंधित नारे 'नागरिकों की है पहचान, सबसे पहले मत का दान', 'सबका यह अरमान है, करना सब मतदान है', 'आओ मिलकर अलख जगाएं शत प्रतिशत मतदान कराएं' लिखे तख्तियों के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। इस दौरान एसडीएम गरियाबंद श्री भूपेन्द्र साहू, उप संचालक पंचायत श्रीमती पदमनी हरदेल, सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

हरिशंकर परसाई जन्म शताब्दी समारोह का आयोजन हुआ

राजनांदगाँव। सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई जी का जन्म शताब्दी समारोह का सिलसिला इस वर्ष प्रारंभ हुआ है। विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं द्वारा उनकी स्मृति में साहित्यिक आयोजन किये जा रहे हैं। इसी तारतम्य में छ.ग. प्रगतिशील लेखक संघ राजनांदगाँव इकाई द्वारा भी परसाई जी के जन्म शताब्दी वर्ष को मद्देनजर रखकर एक समारोह का आयोजन सृजन भवन त्रिवेणी परिसर राजनांदगाँव में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार एवं समीक्षक डॉ. दादूलाल जोशी फरहद उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभात तिवारी अध्यक्ष प्रलेस राजनांदगाँव इकाई ने की। प्रमुख वक्ता के रूप में प्रो. थानसिंह वर्मा एवं संजय अग्रवाल उपस्थित थे। प्रारंभ में साहित्यकार श्री कुबेर सिंह द्वारा व्यंग्य रचना का पाठ किया गया। अपने व्यक्तव्य रखते हुए प्रो. थानसिंह वर्मा ने कहा परसाई जी दृष्टि सम्पन्न - सजग व्यंग्यकार थे। उनकी भाषा शैली सर्वथा मौलिक थी। उनकी दृष्टि सम्पन्नता, लेखन की परिपक्वता और मौलिक भाषा उनकी इन रचनाओं में साफ-साफ उजागर होती है। जैसे उनके दिन फिरे, सदाचार के ताबीज, बेइमानी की परत निठल्ले की डायरी, वैष्णव की फिसलन, विकलांग श्रद्धा का दौर तथा उनका नियमित स्तम्भ - कबीरा खड़ा बाजार में आदि में देखने को मिलता है। परसाई जी अपने युग के श्रेष्ठ व्यंग्यकार थे, जिनकी रचनाओं के केन्द्र में वे सामान्य मनुष्य है, जो सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विसंगतियों के पल - पल सामना करते रहते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. दादूलाल जोशी ने विचार रखते हुए कहा - हरिशंकर परसाई जी की रचना- दृष्टि के केन्द्र में वाम चिन्तन की द्वन्द्वात्मकता निर्णायक है। परसाई जी के पास मार्क्सवाद के गहन अर्थो को अर्जित करने का सुदीर्घ आत्म संघर्ष और अनुभव बराबर केन्द्र में रहा है। इस कारण उनकी अपनी पहचान और रचना- दृष्टि की मौलिकता है। जिस सामाजिक जागरूकता ने उनके रचनाकार को निरंतर बेचैन रखा, उसी जागरूकता ने उन्हें प्रखर विवेक भी सौंपा था कि किस पर व्यंग्य किया जाना चाहिए और क्यों? वे तमाम चीजों का मजाक उड़ा कर स्वयं को बेदाग साबित करने का इकहरापन नहीं दर्शाते बल्कि शामिल आदमी के अनुभवों की विविधता के साथ उतनी ही प्रखरता से स्वयं को भी व्यंग्य की निर्ममता के हवाले कर सकते थे। वक्ता श्री संजय अग्रवाल ने परसाई जी के व्यंग्यों से उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि उन्हों ने समस्त प्रकार की सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और राजनीतिक विसंगतियों पर किस तरह से तीखा प्रहार किया है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे श्री प्रभात तिवारी परसाई जी की अनेक व्यंग्य रचनाओं में आये प्रेरक 1 विचारों को सोदाहरण प्रस्तुत किया।

सिहावा विधायक को जन्मदिन की बधाई देने लगा तांता

नगरी। मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं सिहावा विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव के जन्मदिन पर आज पूरे सिहावा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के कार्यकर्ता, अधिकारी गण, सामाजिक संगठन एवं पत्रकार बंधुओं ने विधायक निवास में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर पूर्व विधायक द्वय अंबिका मरकाम, अशोक सोम, पीसीसी सदस्य लखन लाल ध्रुव, अमृत लाल नाग, किशन मगेंद्र, भानेंद्र ठाकुर, भूषण साहू, कैलाश प्रजापति, डीहू राम साहू, अखिलेश दुबे, करण चंद्राकर, नुरुल रिजवी, कृष्ण कुमार सैनी, वहाब भाई, रूद्र प्रताप नाग, कैलाश जैन, टेश्वर ध्रुव, जावेद मेमन, चन्द्रकला नेताम, सविता सोन, खिलेश्वरी साहू, रेखा साहू, कांति कंवर, अनुसुइया साहू, कांति साहू, दुर्गेश नंदिनी साहू, दिनेश साहू, राजेन्द्र साहू, अय्यूब खान, नेहरू साहू, विनीत बाफ्ना, अख्तर खान, नारद ध्रुव, जियाउद्दीन रिजवी, अनवर रजा, अंकुश देवांगन, आदित्य तिवारी, शेजल नाग, गीतेश साव, अरविन्द यादव, मनीष नेताम, राजेश यादव सहित हजारों के संख्या में कांग्रेसी जन शामिल हुए।

हरिशंकर परसाई जन्म शताब्दी समारोह का आयोजन हुआ

राजनांदगाँव । सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई जी का जन्म शताब्दी समारोह का सिलसिला इस वर्ष प्रारंभ हुआ है। विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं द्वारा उनकी स्मृति में साहित्यिक आयोजन किये जा रहे हैं। इसी तारतम्य में छ.ग. प्रगतिशील लेखक संघ राजनांदगाँव इकाई द्वारा भी परसाई जी के जन्म शताब्दी वर्ष को मद्देनजर रखकर एक समारोह का आयोजन सृजन भवन त्रिवेणी परिसर राजनांदगाँव में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार एवं समीक्षक डॉ. दादूलाल जोशी फरहद उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभात तिवारी अध्यक्ष प्रलेस राजनांदगाँव इकाई ने की। प्रमुख वक्ता के रूप में प्रो. थानसिंह वर्मा एवं संजय अग्रवाल उपस्थित थे। प्रारंभ में साहित्यकार श्री कुबेर सिंह द्वारा व्यंग्य रचना का पाठ किया गया। अपने व्यक्तव्य रखते हुए प्रो. थानसिंह वर्मा ने कहा परसाई जी दृष्टि सम्पन्न - सजग व्यंग्यकार थे। उनकी भाषा शैली सर्वथा मौलिक थी। उनकी दृष्टि सम्पन्नता, लेखन की परिपक्वता और मौलिक भाषा उनकी इन रचनाओं में साफ-साफ उजागर होती है। जैसे उनके दिन फिरे, सदाचार के ताबीज, बेइमानी की परत निठल्ले की डायरी, वैष्णव की फिसलन, विकलांग श्रद्धा का दौर तथा उनका नियमित स्तम्भ - कबीरा खड़ा बाजार में आदि में देखने को मिलता है। परसाई जी अपने युग के श्रेष्ठ व्यंग्यकार थे, जिनकी रचनाओं के केन्द्र में वे सामान्य मनुष्य है, जो सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विसंगतियों के पल - पल सामना करते रहते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. दादूलाल जोशी ने विचार रखते हुए कहा - हरिशंकर परसाई जी की रचना- दृष्टि के केन्द्र में वाम चिन्तन की द्वन्द्वात्मकता निर्णायक है। परसाई जी के पास मार्क्सवाद के गहन अर्थो को अर्जित करने का सुदीर्घ आत्म संघर्ष और अनुभव बराबर केन्द्र में रहा है। इस कारण उनकी अपनी पहचान और रचना- दृष्टि की मौलिकता है। जिस सामाजिक जागरूकता ने उनके रचनाकार को निरंतर बेचैन रखा, उसी जागरूकता ने उन्हें प्रखर विवेक भी सौंपा था कि किस पर व्यंग्य किया जाना चाहिए और क्यों? वे तमाम चीजों का मजाक उड़ा कर स्वयं को बेदाग साबित करने का इकहरापन नहीं दर्शाते बल्कि शामिल आदमी के अनुभवों की विविधता के साथ उतनी ही प्रखरता से स्वयं को भी व्यंग्य की निर्ममता के हवाले कर सकते थे। वक्ता श्री संजय अग्रवाल ने परसाई जी के व्यंग्यों से उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि उन्हों ने समस्त प्रकार की सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और राजनीतिक विसंगतियों पर किस तरह से तीखा प्रहार किया है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे श्री प्रभात तिवारी परसाई जी की अनेक व्यंग्य रचनाओं में आये प्रेरक 1 विचारों को सोदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन डॉ. लालचंद सिन्हा प्राध्यापक शा0 महाविद्यालय ठेलकाडीह ने किया तथा आभार प्रदर्शन प्रलेस के सचिव पोषण लाल वर्मा ने किया। कार्यक्रम में शरद अग्रवाल, डॉ. शंकर मुनि राय, आत्माराम कोशा, संजय यादव, पवन यादव पहुना, मुन्ना यादव, मुकेश रामटेके, गजेन्द्र बघेल, गिरीश ठक्कर, सुधीर ठाकुर, ओमप्रकाश साहू, कैलाश श्रीवास्तव, डॉ.प्रवीण साहू, डी.आर. सिन्हा के साथ राजनांदगाँव एवं आसपास के ग्रामीण इलाके में निवासरत अनेक कवि एवं लेखक गण उपस्थित थे।

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत धरमपुरा में स्कूली छात्र-छात्राओं एवं युवाओं ने बनाया विशाल मानव श्रृंखला

मानव श्रृंखला के जरिये बनाई गई स्वीप बस्तर की आकर्षक आकृति

जगदलपुर । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी निर्वाचनों में शत-प्रतिशत मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने की दिशा में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत वृहद स्तर पर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को क्रीड़ा परिसर धरमपुरा में हजारों की संख्या में स्कूली छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालयीन युवाओं सहित अधिकारियों-कर्मचारियों और युवोदय के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक विशाल मानव श्रृंखला बनाकर मतदाताओं को सभी निर्वाचनों में मतदान करने का संदेश दिया। इस दौरान सभी ने एक साथ मिलकर मानव श्रृंखला के जरिये स्वीप बस्तर की आकर्षक आकृति निर्मित की।

इस मौके पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विजय दयाराम के. ने युवाओं सहित सभी मतदाताओं को लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाये रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत एवं नोडल अधिकारी स्वीप कार्यक्रम श्री प्रकाश सर्वे, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री हितेश बघेल, नगर पालिक निगम आयुक्त श्री हरेश मंडावी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और हजारों की संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं एवं महाविद्यालयीन युवा मौजूद थे।

दिव्यांग बच्चों ने संकेतक भाषा में 18 वर्ष आयु के नागरिकों को वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने की अपील की

० परफार्मेन्स कहती है.हम भी कलाकार हैं, दिव्यांग तो दुनिया की नजर में है,० प्रांजल दिव्यांग स्कूल सारंगढ़ के बच्चों ने कोसीर में बेहतरीन परफार्मेन्स किया

सारंगढ़-बिलाईगढ़ ।

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत समाज कल्याण विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में उप.तहसील कोसीर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में नव वधुओं का सम्मान, दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों का शपथ संकल्प कार्यक्रम आयोजित किया गया था। मुख्य अतिथि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. फरिहा आलम सिद्दीकी की उपस्थिति में प्रांजल मानसिक दिव्यांगजन स्कूल सारंगढ़ के बच्चों ने छत्तीसगढ़ी गीत पर बेहतरीन परफार्मेन्स दिए। कलेक्टर डॉ. सिद्दीकी ने बच्चों के द्वारा किए गए गीत.संगीत पर नृत्य की प्रस्तुति का खूब सराहा। कलेक्टर ने बच्चों के साथ मतदाता जागरूकता के लिए बनाई गई राखी (रक्षा सूत्र) भी हाथों में बंधवायी। इस दौरान कलेक्टर डॉण् सिद्दीकी को बच्चों ने साइन भाषा में अपना नाम बताया और मतदाता के लिए 18 वर्ष आयु के बच्चों को नाम जुड़वाने की अपील को भी साइन भाषा में बताया।

ये परफार्मेन्स कहती हैं कि हम कलाकार हैंए दिव्यांग तो दुनिया की नजर में हैं। उल्लेखनीय है कि सारंगढ़ में 15 अगस्त 2023 को आयोजित मुख्य समारोह के सांस्कृतिक कार्यक्रम में सबसे पहले प्रस्तुति इन्हीं दिव्यांग बच्चों ने की थी। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के प्रभारी अधिकारी विनय तिवारी और महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रभारी अधिकारी सहित अन्य अधिकारी.कर्मचारी, नववधुएं, स्थानीय दिव्यांगजन, बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

ब्रिक्स के विस्तार पर भारत सहमत, दक्षिण अफ्रीका में पीएम ने किया ऐलान, कई देशों को मिलेगी जगह

जोहान्सबर्ग /एजेंसी। भारत ने ब्रिक्स समूह के विस्तार पर अपनी सहमति दे दी है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दक्षिण अफ्रीका में इसकी घोषणा की। इससे पहले ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के नेताओं ने जोहान्सबर्ग में 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बिजनेस फोरम में भाग लिया। 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के ओपन फुल सेशन में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत ब्रिक्स की सदस्यता में विस्तार का पूरा समर्थन करता है। इसमें सर्वसम्मति के साथ आगे बढने् का स्वागत करता है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले दो दशक में ब्रिक्स के लंबे और शानदार सफर की शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स का न्यू डिवेलपमेंट बैंक 'ग्लोबल साउथ' के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका

निभा रहा है। रेलवे अनुसंधान नेटवर्क; एमएसएमई, स्टार्ट-अप के बीच सहयोग के क्षेत्रों में भारत द्वारा सुझाए गए उपायों पर महत्त्वपूर्ण प्रगति हुई है। 2023 शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष दक्षिण अफ्रीका के अनुसार, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, अर्जेंटीना, अल्जीरिया, बोलीविया, इंडोनेशिया, मिस्र, इथियोपिया, क्यूबा, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, कोमोरोस, गैबॉन और कजाकिस्तान सहित 40 से अधिक देशों ने मंच में शामिल होने में रुचि व्यक्त की है। ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेने दक्षिण अफ्रीका पहुंचे पीएम मोदी का तिरंगे के लिए सम्मान देखने को मिला। यह वाकया उस वक्त हुआ जब विभिन्न देशों के प्रमुख मंच पर अपनी जगह पर खड़े होने के लिए पहुंच रहे थे। राष्ट्र प्रमुखों की जगह तय करने के लिए वहां पर उन देशों के झंडे रखे हुए थे। पीएम मोदी जब अपनी जगह लेने के लिए पहुंचे तो उनकी नजर जमीन पर पड़े तिरंगे पर पड़ी। यह देखते ही वह झुके और तिरंगा उठा लिया। दिलचस्प बात यह रही कि उनके साथ मौजूद दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामफोसा अपने देश के झंडे पर पैर रख चुके थे। जब उन्होंने पीएम मोदी को झंडा उठाते हुए देखा तो वह भी अपने देश का झंडा उठाने के लिए झुक गए। पीएम मोदी ने तिरंगा उठाने के बाद इसे अपनी जेब में रख लिया। इसके बाद दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति ने भी अपने देश का झंडा उठाया। यह देखकर एक वॉलंटियर मंच पर पहुंचीं और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति ने उठाया हुआ झंडा उन्हें दे दिया।

भारत के 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाने के बाद नेपाल प्याज की कमी का सामना कर रहा

काठमांडू /एजेंसी। भारत ने प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगा दिया है। इसके बाद नेपाल को प्याज की कमी का सामना करना पड़ रहा है। निर्यातकों द्वारा भारत से प्याज का आयात बंद करने के बाद मंगलवार से काठमांडू के कालीमाटी फल और सब्जी बाजार ने अपनी मूल्य सूची से प्याज को हटा दिया है।

काठमांडू के प्रमुख और सबसे बड़े सब्जी और फल बाजारों में से एक कालीमाटी फल और सब्जी बाजार के सूचना अधिकारी बिनय श्रेष्ठ ने कहा कि हमारे पास 80 विक्रेता हैं जो प्याज बेचते हैं लेकिन पिछले दो दिनों में, उनके पास प्याज का स्टॉक खत्म हो रहा है इसलिए हमने प्याज की मूल्य सूची हटा दी है क्योंकि यह अब उपलब्ध नहीं है।

वहीं, केंद्र सरकार द्वारा निर्यात शुल्क लगाए जाने के बाद नेपाल में प्याज की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। नेपाली बाजार

में प्याज की कीमत 50 रुपये से बढ़कर 90-100 रुपये प्रति किलो के आसपास पहुंच गई है। चूंकि नेपाल अपनी लगभग सभी प्याज जरूरतों को भारत से आयात करता है, भारी निर्यात शुल्क ने घरेलू बाजार में कमी पैदा कर दी है। व्यापारियों का कहना है कि यह कमी नेपाल के त्योहारी सीजन के साथ मेल खाती है क्योंकि इन दिनों प्याज की खपत बढ़ जाती है। 21 दिसंबर तक 40 फीसदी निर्यात शुल्क ऐसे समय लगाया गया है जब अधिकांश नेपाली त्योहार बीच में आते हैं। आमतौर पर काठमांडू के कालीमाटी फल और सब्जी बाजार में औसतन 100 टन प्याज का आयात होता था, लेकिन निर्यात शुल्क लगाए जाने के बाद रविवार और सोमवार को यह संख्या घटकर 40 टन रह गई है। श्रेष्ठ ने कहा कि मंगलवार से निर्यातकों ने प्याज का आयात बंद कर दिया है। न्यूनतम घरेलू उत्पादन के कारण नेपाल भारत से आयातित प्याज पर बहुत अधिक निर्भर है। पिछले वित्त वर्ष में देश ने 6.75 अरब रुपये मूल्य के 180,190 टन प्याज का आयात किया गया था।

भारत की नजरें मानवता के लिए असीमित संभावनाओं पर हैं -रुचिरा कंबोज

संयुक्त राष्ट्र/एजेंसी। चंद्रमा को लक्ष्य बनाकर भारत न केवल उस तक पहुंच गया है, बल्कि आगे की असीमित संभावनाओं पर भी हमारी नजर है, 'अनंत और उससे भी आगे'। यह बात संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कही। कंबोज ने कहा, चंद्रमा पर चंद्रयान -3 की सफल लैंडिंग 1.4 बिलियन भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह मानवता के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि हम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास अज्ञात क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश है, जहां कई अन्य लोग अब तक सफल नहीं हुए हैं। यहां संवाददाता सम्मेलन से पहले, भारत को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और महासभा अध्यक्ष सीसाबा कोरोसी ने बधाई दी। ब्राजील, रूस, भारत और दक्षिण अफ्रीका समूह की ब्रिक्स बैठक के लिए जोहान्सबर्ग में मौजूद गुटेरेस की ओर से बधाई देते हुए उनके सहयोगी प्रवक्ता फ्लोरेंसिया सोटो नीनो ने संयुक्त राष्ट्र की दोपहर की

ब्रीफिंग में कहा, यह एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, हम भारत को अंतरिक्ष अन्वेषण में बड़ी सफलता की शुभकामना देते हैं। कोरोसी के प्रवक्ता पुलिना कुबियाक ने कहा कि उन्होंने भारत को बधाई दी और उनके कार्यालय के भीतर, कई भारतीय सहयोगी इस उपलब्धि का जश्न मना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में संयुक्त राज्य अमेरिका के स्थायी प्रतिनिधि लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में भारत को बधाई दी और कहा, अमेरिका-भारत अंतरिक्ष सहयोग को और गहरा करने के लिए तत्पर हैं। संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न उद्देश्यों में योगदान देने वाले भारत के चंद्र मिशन में से, कंबोज ने लैंगिक समानता के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, भारत के चंद्रमा मिशन चंद्रयान-3 पर काम करने वाले वैज्ञानिकों में बड़ी संख्या में महिलाएं हैं, जो महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के भारत के मॉडल के साथ काफी मेल खाती हैं और एसडीजी 5 के साथ भी खूबसूरती से जुड़ रही हैं, जो लैंगिक समानता के बारे में है। उन्होंने कहा, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया है कि सफलता हम सभी की है और इससे पूरी मानवता को फायदा होगा। भारत के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सहयोग के संदर्भ में कंबोज ने कहा, भारत और मानव जाति के लिए इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) ने कई रॉकेट और उपग्रह लॉन्च किए हैं।

पुतिन के खिलाफ बगावत करने वाले 'वैग्नर ग्रुप' के प्रमुख प्रिगोझिन की विमान हादसे में मौत

मॉस्को/वाशिंगटन । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ बगावत करने वाले उनके पूर्व मित्र, शेफ और निजी सेना 'वैग्नर ग्रुप' के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन की मॉस्को के पास टवर क्षेत्र में एक विमान दुर्घटना में मौत हो गई है। रुस की हवाई परिवहन संघीय एजेंसी ने इसकी पुष्टि की। एजेंसी द्वारा अपने टेलीग्राम अकाउंट पर जारी सूची के अनुसार, प्रिगोझिन उन दस लोगों में शामिल थे, जिनकी बुधवार को विमान दुर्घटना में मौत

हो गयी थी।

एजेंसी ने पहले कहा था कि टवर क्षेत्र में विमान दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है, जिसमें कहा गया है कि यात्रियों में येवगेनी प्रिगोझिन भी शामिल थे। बता दें कि प्रिगोझिन ने दो महीने पहले ही रूसी सेना के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था और यूक्रेन के खिलाफ रूस की तरफ से लड़ रहे अपने निजी सैनिकों को वापस बुलाने का आदेश दिया था। रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय ने कहा कि मॉस्को से सेंट पीटर्सबर्ग जा रहा एक निजी एम्ब्रेयर विमान बुधवार को टवर क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

दुर्घटना में विमान में सवार सभी दस लोगों की मौत हो गई। व्हाइट हाउस प्रेस पूल के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को इसके बारे में जानकारी दी गई। दुर्घटना के बारे में पूछे जाने पर बाइडेन ने कहा, 'मैं वास्तव में नहीं जानता कि क्या हुआ लेकिन मैं आश्चर्यचकित नहीं हूं।' अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने सोशल मीडिया साइट एक्स, पर अपने अकाउंट के माध्यम से कहा, 'हमने रिपोर्ट देखी है। अगर पुष्टि हो जाती है, तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए।'

रूस में विमान हुआ दुर्घटना का शिकार, सभी 10 लोगों की मौत; 8 शव बरामद

मॉस्को /एजेंसी। रूस के टवर क्षेत्र में बुधवार को एक निजी विमान दुर्घटना में मारे गये 10 लोगों में से आठ के शव दुर्घटनास्थल से मिले हैं। आपातकालीन सेवाओं ने यह रिपोर्ट दी है। आपातकालीन सेवाओं ने आज यहां कहा, प्राप्त जानकारी के अनुसार विमान के दुर्घटनास्थल पर आठ शव मिले है। उन्होंने बताया कि खोज और बचाव अभियान जारी है। इससे पहले दिन में, आपातकालीन मंत्रालय ने बताया था कि मॉस्को से सेंट पीटर्सबर्ग जा रहा एम्ब्रेयर लिगेसी निजी विमान टवर क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे विमान सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। रूसी संघीय वायु परिवहन एजेंसी रोसावियात्सिया ने कहा कि वैगनर समूह की निजी सैन्य कंपनी (पीएमसी) के नेता येवगेनी प्रिगोझिन को दुर्घटनाग्रस्त विमान के यात्रियों में सूचीबद्ध किया गया था।

अमेरिका में हमलावर ने की अंधाधुध फायरिंग, दस लोगों को गोली लगी- पांच की मौत

दक्षिण कैलिफॉर्निया । अमेरिका के दक्षिण कैलिफॉर्निया राज्य के शहर ट्रैबुको कैन्यन में गोलीबारी की घटना सामने आई है। यहां हमलावर ने अंधाधुध फायरिंग करते हुए दस लोगों को गोली मारी, जिसमें पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर हमलावर को गोली मारी और उसे गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार अमेरिका के दक्षिण कैलिफॉर्निया में बाइकर बार नामक

एक जगह है, जोकि मोटरसाइकिल राइडर्स के लिए मनोरंजन का केंद्र है। यहां पर हमलावर ने गोलीबारी शुरू कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही ऑरेंज काउंटी के पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने हमलावर पर गोली चलाई और उसे गिरफ्तार कर लिया। घटनास्थल पर बड़ी तादाद में पुलिस अधिकारी मौजूद हैं। इस घटना में किसी भी अधिकारी को चोट नहीं आई है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को घटनास्थल से दूर रहने का आग्रह किया है। घटनास्थल पर मौजूद एक व्यक्ति ने बताया कि बंदूकधारी मर चुका है और वह एक सेवानिवृत्त कानून प्रवर्तन अधिकारी था, जो शायद अपने किसी जानने वाले को निशाना बना रहा था।

डीएसी ने सशस्त्र बलों के लिए 7,800 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में लगभग 7,800 करोड़ रुपये के पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की गई। भारतीय वायु की दक्षता बढ़ाने के लिए फोर्स, डीएसी ने खरीदें (भारतीय-आईडीडीएम) श्रेणी के तहत एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टरों पर इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर (ईडब्ल्यू) सुइट की खरीद और स्थापना के लिए एओएन प्रदान किया है, जो हेलीकॉप्टरों की बेहतर उत्तरजीविता को बढ़ाएगा। ईडब्ल्यू सुइट भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) से खरीदा जाएगा। डीएसी ने मशीनीकृत पैदल सेना और बख्तरबंद रेजिमेंटों के लिए ग्राउंड-आधारित स्वायत्त प्रणाली की खरीद के लिए एओएन भी प्रदान किया है जो मानवरहित निगरानी, गोला-बारूद, ईंधन और पुर्जों की रसद डिलीवरी और युद्ध क्षेत्र में हताहतों की निकासी जैसे विभिन्न कार्यों को सक्षम करेगा।

जवान लड़के लड़कियां दफ्तर में बैठकर करते थे गंदा काम, विदेशियों को निशाना बनाते 84 गिरफ्तार

नोएडा । उत्तर प्रदेश का नोएडा इस समय साइबर ठगी के साथ फर्जी कॉल सेंटर का बड़ा गढ़ बन गया है। इन फर्जी कॉल सेंटर को चलाने वाले देश के लोगों से ज्यादा विदेशियों को निशाना बनाते हैं। ऐसा ही एक फर्जी कॉल सेंटर नोएडा के फेस 1 थाना इलाके में चल रहा था, जिसका खुलासा पुलिस ने किया। यह अब तक का सबसे बड़ा फर्जी कॉल सेंटर बताया जा रहा है। इसमें 84 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। ये लोग अमेरिकी नागरिकों को उनके सोशल सिक्योरिटी नंबर से आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने का डर दिखाकर गिफ्ट कार्ड और क्रिप्टो करेंसी के जरिए ठगी करते थे। नोएडा पुलिस को अमेरिकी एजेंसी से फर्जी कॉल सेंटर के बारे में करीब एक हफ्ते पहले इनपुट मिला था, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी थी। डीसीपी हरीश चंदर के मुताबिक, ये लोग विसीडियल सॉफ्टवेयर और एक्सलाईट/ एयबीम डायलर का प्रयोग करके आईवीआर के माध्यम से डार्क वेब से अमेरिकी व्यक्तियों का डेटा लेते थे। इसके बाद लोगों के बैंक अकाउंट सीज करने का झांसा देते थे और ठगी की वारदात को अंजाम देते थे। इस गैंग में 46 युवक और 38 युवतियां शामिल हैं। सभी से पूछताछ जारी है। इनके अधिकांश टारगेट विदेशी थे। जिनसे करोड़ों की ठगी की गई। अब तक कई करोड़ की ठगी की बात कबूली जा चुकी है। इनके पास से 150 कंप्यूटर सेट, 13 मोबाइल, 1 बड़ा सर्वर, 20 लाख कैश, 42 प्रिंटर और 1 लग्जरी कार बरामद की गई है।

आपस में भिड़ीं तेज रफ्तार बाइक, तीन की मौत

मथुरा । थाना महावन क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल हुआ है। सड़क हादसा बुधवार की देर शाम महावन बलदेव मार्ग पर गांव इब्राहिमपुर के पास ओमी की बगीची पर हुआ। घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना पर इलाका पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वही मृतकों के शव को मोर्चरी के लिए भेज दिया गया है। बलदेव के गांव सेलखेड़ा के रहने वाले सत्येंद्र पुत्र मोहन सिंह, पवन पुत्र मोहन सिंह बाइक लेकर मथुरा जा रहे थे तभी मथुरा की तरफ से मजदूरी कर बाइक पर लौट रहे थे। आकाश पुत्र पूरन, राहुल पुत्र रमेश निवासी ग्राम छोली थाना बलदेव की बाइक आपस में टकरा गई। जिसमें सत्येंद्र, आकाश, राहुल की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पवन पुत्र मोहन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। महावन थाना अध्यक्ष ललित कुमार शर्मा ने बताया कि वह गस्त पर से तभी उन्हें सूचना मिली की दो बाइक आपस में टकरा गई है उन्होंने मौके पर देखा तो तीन लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी। जबकि एक गंभीर रूप से घायल था , घायल व्यक्ति को एंबुलेंस के माध्यम से मथुरा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों के शव का पंचनामा मोर्चरी के लिए भेजते हुए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

दुनिया को भौतिक व आध्यात्मिक प्रगति के पथ पर ले जाएगा भारत : आरएसएस प्रमुख

नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग पर वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि 'भारत पूरी दुनिया को भौतिक और आध्यात्मिक प्रगति के पथ पर ले जाएगा।'

भागवत ने कहा, अब तक चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर कोई नहीं उतरा था, हमारे वैज्ञानिकों ने लंबी मेहनत के बाद न केवल पूरे देश के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए वहां सबसे पहले उतरने का गौरव हासिल किया है। उन्होंने कहा, 'वसुधैव कुटुंबकम' के दृष्टिकोण के साथ, जिसने पूरी दुनिया को अपने स्नेह से गले लगाया है, भारत अब एक ऐसा राष्ट्र बनने की ओर बढ़ रहा है, जो दुनिया को शांति और समृद्धि प्रदान करता है। आज हम सभी के लिए खुशी का क्षण है। उन्होंने कहा, हम अपने वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत के लिए उनके आभारी हैं। वे हमारे लिए आनंद का यह क्षण लेकर आए हैं और हम सभी वैज्ञानिकों, सरकार और प्रशासन को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने उन्हें प्रोत्साहित किया। सभी को बधाई। भारत की वैश्विक भूमिका के बारे में बोलते हुए, आरएसएस प्रमुख ने यह भी कहा, भारत पूरी दुनिया के लिए आगे बढ़ेगा । भारत दुनिया को भौतिक और आध्यात्मिक प्रगति के पथ पर ले जाएगा, यह अब वास्तविकता में बदलने जा रहा है। हम प्रगति करेंगे। ज्ञान और विज्ञान के क्षेत्र में हम नीले आकाश के स्वरूप को भी नये अर्थ दे सकेंगे। भोग के माहौल में हम त्याग का संदेश देंगे, गुलामी के घने बादलों से खुशियां बरसाएंगे। इस उद्देश्य को साकार करने के लिए पूरे देश का आत्मविश्वास जाग गया है। हम सबने अपनी आंखों से ये हकीकत देखी है। इसलिए हम धन्य हैं। उन्होंने कहा, अब हम अपने कर्तव्य के प्रति जागें, और आगे बढ़ें। हम सभी के पास आगे बढ़ने के लिए आवश्यक शक्ति है, आवश्यक कला और कौशल है, आवश्यक दृष्टि है। आज की घटना ने ये साबित कर दिया है। मैं एक बार फिर सभी को हृदय से बधाई देता हूं और कहता हूं मेरा हृदयङ्क 'भारत माता की जय'। आरएसएस के अखिल भारतीय सह-प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने भी वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि हमारे वैज्ञानिकों ने दुनिया में भारत का नाम ऊंचा किया है और दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ाने का काम किया है।

ओंकारेश्वर से अयोध्या पहुंचा सवा चार फीट ऊंचा शिवलिंग, रामलला मंदिर परिसर में होगी स्थापना

भोपाल/एजेंसी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज बताया कि राज्य के पवित्र ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर से सवा चार फीट ऊंचा शिवलिंग अयोध्या पहुंच गया है और अब इसकी प्राण प्रतिष्ठा श्री रामलला मंदिर परिसर में होगी। शिवराज चौहान ने अपने ट्वीट में कहा कि पवित्र ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर से सवा 4 फीट ऊंचा शिवलिंग विशेष रथ द्वारा श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या जी पहुंच गया है, जिससे मन अति प्रसन्न है। उन्होंने कहा कि अब इंतजार उस क्षण का है, जब इस पवित्र शिवलिंग की प्राण-प्रतिष्ठा भगवान श्री रामलला के मंदिर परिसर के शिव मंदिर में होगी।

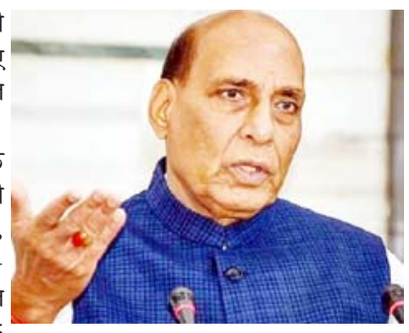

सेना को मिलेंगे अत्याधुनिक हथियार, सरकार ने 7800 करोड़ के रक्षा खरीद प्रस्तावों को दी मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने तीनों सेनाओं की युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए 7800 करोड़ रुपए की रक्षा खरीद के प्रस्तावों को आज स्वीकृति प्रदान की जिसमें हेलीकॉप्टरों पर इलैक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, थल सेना की मानव रहित निगरानी एवं रसद परिवहन की स्वायत्त प्रणाली एवं नौसेना के हेलीकॉप्टरों को नये हथियारों से लैस करने के प्रस्ताव शामिल हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आज यहां आयोजित रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में लगभग 7,800 करोड़ रुपए के पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की गई। आधिकारिक जानकारी के अनुसार भारतीय वायु की दक्षता बढ़ाने के लिए फोर्स, डीएसी ने भारतीय-आईडीडीएम श्रेणी के तहत एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टरों पर इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर (ईडब्ल्यू) सुइट की खरीद और फिट करने के लिए एओएन प्रदान किया, जो हेलीकॉप्टरों की क्षमता को

बढ़ाएगा। ईडब्ल्यू सुइट भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) से खरीदा जाएगा। डीएसी ने मशीनीकृत पैदल सेना यानी इन्फैन्ट्री और बख्तरबंद रेजिमेंटों के लिए ग्राउंड-आधारित स्वायत्त प्रणाली की खरीद के लिए भी एओएन प्रदान किया है जो मानवरहित निगरानी, गोला-बारूद, ईंधन और पुर्जों की रसद डिलीवरी और युद्ध क्षेत्र में हताहतों की निकासी जैसे विभिन्न कार्यों में बेहतर काम करने में सक्षम होगा। 7.62×51 मिमी लाइट मशीन गन (एलएमजी) और ब्रिज लेइंग टैंक (बीएलटी) की खरीद के प्रस्ताव को भी डीएसी द्वारा आगे बढ़ा दिया गया है जहां एलएमजी के शामिल होने से पैदल सेना बलों की लड़ने की क्षमता में वृद्धि होगी, वहीं बीएलटी के शामिल होने से मशीनीकृत बलों की आवाजाही में तेजी आएगी। प्रोजेक्ट शक्ति के तहत भारतीय सेना के लिए मजबूत लैपटॉप और टैबलेट की खरीद के लिए एओएन भी प्रदान किया गया है। ये सभी खरीद केवल स्वदेशी विक्रेताओं से की जाएंगी। भारतीय नौसेना के एमएच-60आर हेलीकॉप्टरों की परिचालन क्षमता को बढ़ाने के लिए, डीएसी ने हथियारों की खरीद के लिए एओएन प्रदान किया है।

कोरबा, महासमुंद एवं जांजगीर –चांपा से एक साथ प्रकाशित

संवाद साधना

स्पोर्ट्स/बिजनैस

जांजगीर,शुक्रवार 25 अगस्त 2023
Email - sadhana.vivek@gmail.com
Web : www. samvadsadhana.com

वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड बेंगलुरु में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

चीनी निर्यात पर प्रतिबंध लगा सकती है सरकार, सात वर्षों में पहली बार होगा

नई दिल्ली । चीनी के निर्यात को लेकर सरकार बड़ा फैसला ले सकती है। भारत सरकार अक्टूबर में शुरू होने वाले चीनी के निर्यात पर बैन लगा सकती है। सरकार देश में मौजूद चीनी मिलों को आदेश दे सकती है कि वह चीनी का निर्यात ना करें। अगर सरकार ऐसा कोई फैसला लेती है तो आपको बता दें कि 7 साल पहले सरकार ने चीनी के निर्यात पर बैन लगाया था।

इसकी जानकारी रॉयटर्स के हवाले से मिली है। आपको बता दें कि सरकार ने अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया है।

इस साल बे-मौसम बारिश की वजह से गन्ने के पैदावर कम हुई है। अगर वैश्विक चीनी बाजार में भारत का स्थान नहीं होता है तो न्यूयॉर्क और लंदन के बेंचमार्क पर सीधा असर पड़ेगा। न्यूयॉर्क और लंदन के बेंचमार्क की कीमतें बढ़ सकती है। आपको बता दें कि कई सालों से चीनी की कीमत उच्चतम स्तर पर था। चीनी के निर्यात पर बैन लगने की वजह से वैश्विक खाद्य बाजारों में महंगाई बढ़ सकती है। हमारा प्राथमिक ध्यान स्थानीय चीनी आवश्यकताओं को पूरा करना है और बाकी के गन्ने से इथेनॉल का उत्पादन करना है। अगर सरकार ने निर्यात पर पाबंदी नहीं लगाई तो आने वाले सीजन में हमारे पास पर्याप्त चीनी नहीं होगी। इस वजह से चीनी के निर्यात पर पाबंदी लगानी पड़ सकती है। इस साल चीनी का उत्पादन बाकी वर्ष की तुलना में 50 फीसदी कम था। भारत में अधिकतर चीनी का उत्पादन पश्चिमी राज्य महाराष्ट्र और दक्षिणी राज्य कर्नाटक से होता है। इस साल भारी बारिश की वजह से गन्ने के उत्पादन में कमी आई है।

इनफिनिक्स का 50 एमपी सेल्फी कैमरा वाला फोन लांचिंग को तैयार

नई दिल्ली/एजेंसी। चाइनीज टेक कंपनी इनफिनिक्स अपने नए स्मार्टफोन्स के साथ लगातार इनोवेशंस कर रही है और अब 50 एमपी सेल्फी कैमरा वाला फोन इनफिनिक्स जीरो 30 5 जी लांच करने जा रही है। इस फोन को अगस्त के आखिर तक मार्केट का हिस्सा बनाया जाएगा और पिछले साल दिसंबर में लांच इनफिनिक्स 20 5जी के सक्सेसर के तौर पर पेश किया गया है। कंपनी इसे लेवेंडर और गोल्ड कलर ऑप्शंस में टीज कर रही है। नए स्मार्टफोन में कंपनी 60 डिग्री कर्व्ड 10-विट एमोल्ड डिस्प्ले दे सकती है और इसके अन्य स्पेसिफिकेशंस भी सामने आए हैं। जीएसएमए रेना की ओक रिपोर्ट में कन्फर्म हुआ है कि इनफिक्स जीरो 30 5 जी में सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए 50 एमपी फ्रंट कैमरा मिलेगा। बीच में दिए गए होल-पंच में यह दमदार कैमरा मिल सकता है और इसके जरिए 60एफपीएस पर 4 के वीडियोज भी रिकॉर्ड किए जा सकेंगे। सामने आया है कि रियर कैमरा सेंसर को ऑप्टिकल इमेज स्टेबलाइजेशन सपोर्ट मिलेगा और ट्रिपल बैक कैमरा सेटअप इस फोन में देखने को मिलेगा। इनफिनिक्स जीरो 30 5 जी में 12 जीबी तक इंस्टॉल्ड रैम मिल सकती है, साथ ही 9 जीबी तक वर्चुअल रैम का सपोर्ट मिल जाएगा। इस तरह यूजर्स को कुल 21 जीबी तक रैम का फायदा इस फोन में मिल सकता है और यह 256 जीबी इन-बिल्ट स्टोरेज के साथ आएगा। फोन की लाइव फोटोज भी लीक हुई हैं, जिनमें यह फोन गोल्ड कलर वेरियंट में दिखा है। आधिकारिक टीजर में यह फोन लेवेंडर और गोल्ड कलर्स में पहले भी नजर आया है और इसके फ्रंट व रियर पैनल दोनों पर गोरिल्ला ग्लास 5 की सुरक्षा मिलेगी। बैक पैनल पर मॉड्यूल में तीन कैमरा सेंसर्स और एलईडी फ्लैश दिखा है।

मीशो ने 2027 तक एक करोड़ छोटे व्यवसायों को ऑनबोर्ड करने का रखा लक्ष्य

नई दिल्ली/एजेंसी। ई कॉमर्स को आम लोगों तक पहुंचाने के अपने मिशन को आगे बढ़ाते हुए ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस मीशो ने 2027 तक एक करोड़ छोटे व्यवसायों को ऑनबोर्ड कर उन्हें ऑनलाइन सफलता प्रदान करने का लक्ष्य तय किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इससे जमीनी स्तर पर जाकर एसएमबी को समर्थ बनाने की मीशो की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य मीशो के मौजूदा 13 लाख विक्रेता आधार को बढ़ाकर 10 गुना कर देगा, साथ ही 40 लाख से कम वार्षिक कारोबार वाले छोटे, मध्यम और

स्थानीय उद्यमों को डिजिटल वाणिज्य के दायरे में लाकर उन्हें नए अवसर प्रदान करेगा। यह पहल 40 लाख से कम वार्षिक कारोबार वाले व्यवसायों को ऑनलाइन बिक्री पर लगने वाले अनिवार्य जीएसटी से राहत देने के सरकार के निर्णय के अनुरूप भी है।

मीशो पर नए विक्रेताओं के पंजीकरण में एक बड़ी संख्या में विक्रेता जीएसटी पंजीकरण के चरण में ही पीछे हटने लगते हैं इसलिए मीशो जीएसटी नियमों में दी गई इस राहत का लाभ उन माइक्रो और स्मॉल उद्यमों को देकर उन्हें अपना ऑनलाइन सफ़र शुरू करने में मदद करना चाहता है। इस रणनीतिक बदलाव से गृहणियों, बुटीक मालिकों और मॉम-एंड-पॉप स्टोर्स तक विशाल उद्यमियों का एक नया दौर शुरू होगा।

मीशो के सीईओ और संस्थापक विदित आत्रे ने कहा, 2027 तक अपने प्लेटफॉर्म पर एक करोड़ विक्रेता लाने की हमारी प्रतिबद्धता इंटरनेट कॉमर्स को पूरे जान समूह तक पहुंचाने के हमारे मिशन का प्रमाण है। एमएसएमई के ऊर्जा से हमें बल मिलता है और उनका सशक्तिकरण हमारी अर्थव्यवस्था में नयी जान फूंकने की क्षमता रखता है। तकनीकी प्रगति, इनोवेशन और समावेशन की ओर हमारी प्रतिबद्धता के साथ हम ऑफ़लाइन विक्रेताओं को पूरक आय प्राप्त करने के साधन देने के लिए तैयार हैं। हम केवल आंकड़ों पर नज़र नहीं रखते, बल्कि एक ऐसे वातावरण का निर्माण करना चाहते हैं, जो मौजूदा 80 प्रतिशत से ज़्यादा एमएसएमई के विस्तार में तेज़ी लेकर आए।

भारत में केरल में पांच सितारा होटलों की संख्या सबसे अधिक

तिरुवनंतपुरम । केरल ने देश में सबसे ज्यादा पांच सितारा होटल होने का गौरव हासिल कर लिया है। केरल में कुल 42 पांच सितारा होटल हैं। आवास इकाइयों के राष्ट्रीय डेटाबेस में उपलब्ध ताजा आंकड़ों में यह खुलासा हुआ है। केरल ने महाराष्ट्र, राजस्थान और गोवा जैसे राज्यों को पीछे छोड़ दिया है, जो पर्यटकों और कॉरपोरेट्स के बीच सुविधाजनक स्थानों के रूप में लोकप्रिय हैं। रैंकिंग के अनुसार, कुल 35 पांच सितारा होटलों के साथ महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर है, 32 पांच सितारा होटलों के साथ गोवा तीसरे स्थान पर है, इसके बाद 27 पांच सितारा होटलों के साथ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली है। केरल पर्यटन के निदेशक पी.बी. नूह ने कहा कि जहां सरकार बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के विकास में प्रमुख भूमिका निभाती है, वहीं प्राइवेट उन्हें प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का विकास करते हैं, जिससे केरल में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की आमद बढ़ाने में मदद मिलती है। तिरुवनंतपुरम के हयात रीजेंसी के महाप्रबंधक राहुल राज ने कहा कि यह न केवल हमें केरल को एमआईसीई के लिए सबसे ज्यादा मांग वाले डेस्टिनेशन के रूप में पेश करता है, बल्कि हॉस्पिटालिटी सेक्टर में करियर डेवलपमेंट के अधिक अवसर पैदा करने में भी प्रमुख भूमिका निभाता है। तमारा लीजर की सीईओ और निदेशक श्रुति शिबुलाल ने कहा कि यह उपलब्धि एक मजबूत उत्प्रेरक के रूप में काम करती है, जो हमें केरल में हॉस्पिटालिटी और टूरिज्म इंडस्ट्री को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने और बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है।

भारतीय महिला हॉकी टीम ओमान रवाना, एशियाई हॉकी 5एस वर्ल्ड कप क्वालिफायर में लेगी हिस्सा

बंगलूर/एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम महिला एशियाई हॉकी 5एस विश्व कप क्वालिफायर में हिस्सा लेने के लिए बुधवार को ओमान के सलालाह रवाना हुई। यह टूर्नामेंट 25 से 28 अगस्त के बीच होगा, जिसके लिए भारतीय टीम को जापान, मलेशिया और थाईलैंड के साथ एलीट पूल में रखा गया है। हॉन्ग कॉन्ग, चीनी ताइपे, बंगलादेश, ईरान और ओमान चैलेंजर्स पूल का हिस्सा हैं। सलालाह जाने वाली भारतीय टीम की कप्तानी नवजोत कौर करेंगी, जबकि ज्योति उपकप्तान होंगी। टीम में गोलकीपर बंसारी सोलंकी शामिल हैं। डिफेंस क्षेत्र में अक्षता अबासो ढेकाले, महिमा चौधरी और सोनिया देवी क्षेत्रिमायुम होंगी। कप्तान कौर और अजमीना कुजूर मिडफील्ड संभालेंगी, जबकि मारियाना कुजूर, ज्योति और दीपी मोनिका टोप्पो फॉरवर्ड के रूप में खेलेंगी। भारत अपने पूल में शीर्ष दो स्थानों पर रहने और सेमीफाइनल में

क्वालीफाई करने के लिए अपने एलीट समकक्षों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेगा। भारत का पहला मुकाबला 25 अगस्त को मलेशिया से होगा, जबकि 26 अगस्त को भारतीय महिलाएं जापान का सामना करेंगी। भारत का आखिरी पूल चरण मुकाबला 27 अगस्त को थाईलैंड से होगा। भारतीय महिला हॉकी टीम की कोच सौंदर्या येंदाला ने टूर्नामेंट से पहले अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हम टूर्नामेंट में उतरने के लिए बेताब हैं। महिला एशियाई हॉकी 5एस विश्व कप क्वालिफायर की तैयारी के लिए बहुत प्रयास किए गए हैं। हमारा लक्ष्य पूरे टूर्नामेंट में अच्छा खेलना है और उम्मीद है कि टूर्नामेंट में जीत के साथ हमारी कड़ी मेहनत का लाभ मिलेगा। इस बीच, कप्तान कौर भी महिला एशियाई हॉकी 5एस विश्व कप क्वालिफायर में भारत के जीतने की संभावना को लेकर आशान्वित हैं।

वर्ल्ड कप मैचों के लिए कल से शुरू होगी टिकटों की बिक्री

मुंबई/एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बुधवार को 2023 क्रिकेट विश्व कप के लिए बुक माय शो को टिकट बिक्री का आधिकारिक साझेदार घोषित किया। इस टूर्नामेंट में 10 अभ्यास मैचों सहित कुल 58 मुकाबले देश के 12 आयोजन स्थलों पर खेले जाएंगे। बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में बताया कि टिकटों की बिक्री प्रक्रिया सावधानीपूर्वक प्रबंधित चरणों की एक श्रृंखला में शुरू की जाएगी। भारत को छोड़कर सभी टीमों के मैचों के टिकटों की बिक्री 25 अगस्त से शुरू हो जाएगी। गुवाहाटी और

तिरुवनंतपुरम में भारत के अभ्यास मैचों के टिकट 30 अगस्त से खरीदे जा सकेंगे। एक दिन बाद, चेन्नई (बनाम ऑस्ट्रेलिया, आठ अक्टूबर), दिल्ली (बनाम अफगानिस्तान, 11 अक्टूबर) और पुणे (बनाम बंगलादेश, 19 अक्टूबर) में भारत के मैचों के लिये टिकट खोले जाएंगे। प्रशंसक एक सितंबर से धर्मशाला (बनाम न्यूजीलैंड, 22 अक्टूबर), लखनऊ (बनाम इंग्लैंड, 29 अक्टूबर) और मुंबई (बनाम श्रीलंका, दो नवंबर) में मेजबान टीम के मुकाबलों के लिये टिकट खरीद सकेंगे। दो सितंबर को कोलकाता (बनाम दक्षिण अफ्रीका, पांच नवंबर) और बेंगलुरु (बनाम नीदरलैंड, 12 नवंबर) के मैचों के टिकट उपलब्ध होंगे। अंतत:, तीन सितंबर को 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में भारत बनाम पाकिस्तान मैच के टिकट बेचे जाएंगे।

सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों के टिकटों की बिक्री 15 सितंबर से शुरू होगी। टिकट बिक्री उपरोक्त तिथियों पर भारतीय समयानुसार आठ बजे से शुरू होगी। एक बार टिकट बुक हो जाने पर प्रशंसकों को इसे कूरियर द्वारा प्राप्त करने या निर्दिष्ट स्थान से प्राप्त करने का विकल्प दिया जाएगा। जो लोग कूरियर सुविधा के माध्यम से अपने टिकट एकत्र करना चाहते हैं उन्हें 140 रुपये अतिरिक्त भुगतान करना होगा। कूरियर विकल्प उन लोगों पर लागू होंगे जो निर्धारित मैच से 72 घंटे पहले टिकट खरीदेंगे। बीसीसीआई ने विज्ञप्ति में कहा कि ई-टिकट की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी।

विश्व चैम्पियनशिप के प्रीक्वार्टरफाइनल में पहुंची त्रिसा-गायत्री की जोड़ी

नई दिल्ली/एजेंसी। भारत के सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने बुधवार को केनेथ झे हुई चू और मिंग चुएन लिम की आस्ट्रेलियाई जोड़ी पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष डबल्स के प्री क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। महिला डबल्स में भारतीय त्रिसा जाली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे की चांग चिंग हुई और यांग चिन टुन की जोड़ी पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर तीसरे दौर में प्रवेश किया।सात्विक और चिराग की दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी ने पिछले चरण में पहला कांस्य पदक जीता था। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई प्रतिद्वंद्वियों को 30 मिनट में 21-16 21-9 से शिकस्त दी। राष्ट्रमंडल खेलों की मौजूदा चैंपियन जोड़ी का सामना अब इंडोनेशिया के लियो राली कार्नांडो और डेनियल मार्तिन की 10वीं वरीय जोड़ी से होगा। इससे पहले गायत्री और त्रिसा की दुनिया की 19वें नंबर की जोड़ी को पहले दौर में बाई मिली थी। उन्होंने 37वीं रैंकिंग पर काबिज चांग और यांग की जोड़ी को 38 मिनट में 21-18 21-10 में हराया। यह भारतीय जोड़ी आल इंग्लैंड चैंपियनशिप के पिछले दो चरण के सेमीफाइनल में पहुंची थी और अब उनका सामना अगले दौर में चीन की चेन किंग चेन और जिया यि फान की शीर्ष वरीय जोड़ी से होगा। पुरुष सिंगल्स में भारत के एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन ने मंगलवार को अंतिम-16 में जगह बनाई थी। लक्ष्य गुरुवार को सिंगापुर के लोह कीन यू से भिड़ेंगे, जबकि लक्ष्य का सामना मलेशियाई खिलाड़ी कुनलावुत विदितसरन से भिड़ेंगे।

लंबीकूद के फाइनल में एल्ड्रिन, वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप से भारत के मुरली श्रीशंकर बाहर

बुडापेस्ट/एजेंसी। नेशनल रिकॉर्ड होल्डर लंबीकूद के एथलीट जेस्विन एल्ड्रिन ने बुधवार को पहली बार वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप फाइनल के लिए क्वालिफाई किया, लेकिन उनके साथी प्रतिस्पर्धी मुरली

श्रीशंकर खराब प्रदर्शन के बाद क्वॉलिफिकेशन दौर से ही बाहर हो गए। एल्ड्रिन ने अपने पहले प्रयास में 8.0 मीटर की कूद लगाई लेकिन अगले दो प्रयासों में 'फाउल' कर गए। यह प्रदर्शन उन्हें गुरुवार को होने वाले 12 खिलाड़ियों के फाइनल में पहुंचाने के लिए काफी था। फाइनल्स में वही एथलीट पहुंचते हैं, जो 8.15 मीटर की कूद लगाते हैं या फिर दो क्वॉलिफिकेशन ग्रुप के टॉप 12 पर रहते हैं। मार्च में 8.42 मीटर के नेशनल रिकॉर्ड से सीजन के बेस्ट प्रदर्शन करने वाले एथलीट के तौर पर उतरे एल्ड्रिन ग्रुप बी क्वॉलिफिकेशन दौर में छठे स्थान पर रहे और वे दोनों ग्रुप में बेस्ट 12वें एथलीट के तौर पर अंतिम क्वॉलिफायर के रूप में फाइनल्स में पहुंचे। श्रीशंकर ने 7.74 मीटर, 7.66 मीटर और 6.70 मीटर के निराशाजनक प्रयास किए। वह ग्रुप ए क्वॉलिफिकेशन में 12वें स्थान से कुल 22वें स्थान पर रहे।

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने सस्पेंड किया भारतीय कुश्ती महासंघ, समय पर चुनाव न कराने की गाज

नई दिल्ली/एजेंसी। वैश्विक स्तर पर कुश्ती खेल का नियमन करने वाली संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ((यूडब्ल्यूडब्ल्यू)) ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को समय पर चुनाव न करवाने के लिए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यूडब्ल्यूडब्ल्यू) का काम इस समय भारतीय ओलंपिक संघ के एक सदस्य के नेतृत्व में एक अस्थाई समिति देख रही है।

अंतरराष्ट्रीय निकाय ने भारतीय कुश्ती निकाय के विरुद्ध कार्रवाई के संबंध में कोई औपचारिक वक्तव्य नहीं दिया है। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के कार्यालय में इस बारे में संपर्क करने पर एक अधिकारी ने कहा कि हां खबरें तो हैं, पर बयान यूडब्ल्यूडब्ल्यू ही देगा। डब्ल्यूएफआई का संचालन कर रहे भूपेंदर सिंह बाजवा के नेतृत्व वाले तदर्थ पैनल को चुनाव आयोजित करने के लिए 45 दिन की समय सीमा दी गई थी। संघ को मान्यता नहीं होने पर भारतीय पहलवानों को 16 सितंबर से शुरू होने वाली ओलंपिक-क्वालीफाइंग विश्व चैंपियनशिप में तटस्थ एथलीटों के रूप में भाग लेना होगा।

गौरतलब है कि महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपी बृजभूषण शरण सिंह की अगवाई वाले शासी निकाय के हटाए जाने के बाद भारतीय ओलंपिक संघ ने डब्ल्यूएफआई के संचालन के लिए 27 अप्रैल को तदर्थ पैनल का गठन किया था। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने 28 अप्रैल को चेतावनी दी थी कि अगर 45 दिन के अंदर चुनाव नहीं हुए तो डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया जाएगा। मूल रूप से, डब्ल्यूएफआई के चुनाव सात मई को होने थे, लेकिन खेल मंत्रालय ने उसे अमान्य घोषित कर दिया। कई राज्य निकायों ने चुनावों में भाग लेने का अधिकार मांगने के लिए अदालत का रुख किया, जिसके कारण चुनाव लगातार स्थगित होते रहे। चुनाव के लिए नवीनतम तारीख 12अगस्त चुनी गई थी लेकिन पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने 11 अगस्त को इनपर रोक लगा दी थी।

मनरेगा से बनाए गए छिनपुरवा नरवा से जागी किसानों की उम्मीदें

जांजगीर-चांपा ,25 अगस्त (संवाद साधना)। जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ ही जिले में नरवा प्रोजेक्ट के माध्यम से जल-संचय और जल-स्त्रोतों के संरक्षण-संवर्धन का कार्य मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) के माध्यम से बखूबी किया जा रहा है। इन कार्यों से खेती-किसानी के कार्यों को मजबूती मिल रही है और किसानों को सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से किसानों की आजीविका सशक्त हो रही और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत बन रही हैं।

ऐसा ही कुछ जिले के जनपद पंचायत नवागढ़ की ग्राम पंचायत भादा छिनपुरवा नरवा (नाला) के उपचार से किसानों को हुआ है, इस नाले पर स्टापडेम का निर्माण होने के बाद से ही धुरकोट से केवा नवापारा के किसानों को खरीफ के साथ अब रबी फसल के लिए भी पानी मिलने की आस जाग उठी है। पुराने नरवा को पुनर्जीवन मिल गया और गांव की खुशहाली और समृद्धि का रास्ता खुल गया। जिला कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. ज्योति पटेल के मार्गदर्शन में नरवा प्रोजेक्ट को लेकर जिले में कार्य किये जा रहे हैं। इन्हीं कार्यों में नवागढ़ विकासखंड मुख्यालय से 15 किलोमीटर की दूरी पर ग्राम पंचायत भादा है, जहां से होकर यह छिनपुरवा नाला बहता है। यह छिनपुरवा नाला ग्राम पंचायत के धुरकोट से प्रारंभ होकर पचेड़ा, कसौंदी, मौहाडीह, अकलतरी, गौद व भादा से होते हुए केवा (नवापारा) में हसदेव नदी में मिलता है, पहले इस नाले का पानी बारिश के बाद ही सूख जाता था, ऐसे में किसानों को दोहरी फसल लेने के बारे में सोचना मुश्किल था, साथ ही पशुपालकों के लिए भी पानी नहीं मिलता था, जिससे उनकी परेशानियां बढ़ी हुई थी। ग्रामीणों ने नाले को सुव्यवस्थित तरीके से उपचार करने के बारे में सोचा तब उन्हें मनरेगा से नाले के उपचार के बारे में जानकारी मिली।

खरीफ के साथ अब रबी फसलों के लिए भी मिलेगा पानी

इसके बारे में रोजगार सहायक, तकनीकी सहायक ने विस्तार से गांव वालों को जानकारी दी, तब फिर ग्राम पंचायत से प्रस्ताव पास कराकर जनपद से जिला पंचायत भेजा गया, जिला पंचायत से प्रशासकीय स्वीकृति मिलने के उपरांत इस नाले के ऊपर स्टापडेम का निर्माण और नरवा का उपचार महात्मा गांधी नरेगा के माध्यम से किया गया, इसके बनने के बाद बारिश में स्टापडेम से कलकल करता हुआ नाला बह रहा है। इस कार्य के लिए महात्मा गांधी नरेगा से 16.85 लाख रूपए की राशि से स्वीकृत दी गई, जनपद पंचायत सीईओ अनिल कुमार, कार्यक्रम अधिकारी सुश्री धरमिन सिंगरौल के सतत मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहायक अब्दुल कामिल सिद्दीकी के द्वारा की गई मानीटरिंग में इस कार्य को पूर्ण कराया गया। इस नाले में तकरीबन 10 हजार क्यूबिक मीटर पानी संरक्षित हो रहा है।

आसपास के क्षेत्र में यह नाला अब बेहतर पानी के स्त्रोत के रूप में जाना जा रहा है। इस नाले में बहते हुए पानी ने किसानों की जिंदगी को बदलने का काम किया है, बारिश के पानी का सही संरक्षण होने से किसानों को अब दोहरी फसल लेने की उम्मीद जाग उठी है।

जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के कई कार्य किए गए हैं, जिससे आसपास के क्षेत्र में हरियाली की चादर फैलने लगी है। रोजगार के साथ किसानों को लाभ-भादा ग्राम पंचायत के महात्मा गांधी नरेगा के जॉबकार्डधारी परिवारों को स्टापडेम निर्माण होने से गांव में ही रोजगार मिला। रोजगार सहायक राजपाल गाड़ा ने बताया कि स्टापडेम में 82 जॉबकार्डधारी परिवार के सदस्यों ने काम करते हुए 2 हजार 320 मानव दिवस सृजित किये।

बाबूलाल पिता अच्छेराम, श्री बरातू पिता समझराम, करन पिता रामलाल ने महात्मा गांधी नरेगा में काम भी किया और इनकी नरवा के पास जमीन भी है, जिससे इन्हें अपनी फसलों में पानी भी मिलने लगा है।

नरवा पुनर्जीवन की इस परियोजना पर तकनीकी मार्गदर्शन दे रहे तकनीकी सहायक अब्दुल कामिल सिद्दीकी बताते हैं कि छत्तीसगढ़ की महत्वाकांक्षी योजना एनजीजीबी के तहत महात्मा गांधी नरेगा से नरवा प्रोजेक्ट कार्यक्रम फेस 1 के तहत स्टापडेम का निर्माण कार्य किया गया है। छिनपुरवा नाले में स्टापडेम बनने के बाद से जलस्तर में सुधार देखने को मिल रहा है, वहीं नरवा से लगी भूमि में नमी की मात्रा बनी रहने लगी है।

इससे आसपास के किसान लाभान्वित हो रहे हैं।

रीपा के ग्रामीण उद्यमी को मिला रोजगार-नरवा प्रोजेक्ट से जहां एक ओर जल संरक्षण का कार्य किया गया, तो वहीं दूसरी ओर महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क ग्राम पंचायत पचेडा में कंस्ट्रकशन एण्ड एग्रो फेब्रिकेशन यूनिट से जुड़े युवा उद्यमियों को भी रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। स्टापडेम में लगाए जाने वाले लोहे के गेट को तैयार करने का काम पचेड़ा के फेब्रिकेशन यूनिट चलाने वाले युवाओं के द्वारा किया गया। इससे शासकीय योजनाओं में अभिसरण के कार्यों से ग्रामीणों को आगे बढ़ाया जा रहा है। स्टापडेम में बनाए गए लोहे के गेट से रीपा से जुड़े उद्यमियों को फायदा मिला है और उनकी आजीविका का साधन भी निर्मित हुआ।

सड़क पर दिखे मवेशी तो पशुपालकों पर लगाया जाएगा जुर्माना

जांजगीर-चांपा ,25 अगस्त (संवाद साधना)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश पर गुरूवार को जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. ज्योति पटेल ने पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, एनएच, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मुख्य नगर पंचायत अधिकारी की बैठक ली। बैठक में निर्देश दिए कि सड़कों पर मवेशियों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विभागीय समन्वय बनाते हुए विशेष अभियान चलाया जाए। अभियान के दौरान पशुपालकों के घर-घर संपर्क अभियान चलाया जाए, आवारा पशुओं को रेडियम बेल्ट लगाये जाएं, जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, मुनादी कराई जाए।

इसके साथ ही किसानों, पशुपालकों के साथ बैठक की जाए। इस दौरान उच्च अधिकारियों द्वारा मुख्य मार्गों का आकस्मिक निरीक्षण भी किया जाए, ताकि मुख्य मार्गों पर एक भी मवेशी दिखाई न दे। जिपं सीईओ ने कहा कि नेशनल हाइवे, राज्य एवं जिला के मुख्य मार्गों की सड़कों पर मवेशियों के विचरण एवं बैठे रहने से पशुओं के साथ ही आम जनता को दुर्घटना होने का खतरा रहता है। इन दुर्घटनों को लेकर विशेष अभियान चलाया जाएगा। जिसमें गांव से लेकर शहर तक मुनादी कराई जाएगी जिसमें पशुपालकों को अपने पशुओं को दिन में गौठान में भेजने और रात में घर में ही बांधने के निर्देश दिए जाएंगे, इसके बाद भी अगर कहीं पर सड़क पर मवेशी पाया जाए तो पशुपालक के खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही की जाए।

जिपं सीईओ ने बैठक में निर्देश दिए कि एसएडीओ, एआरईओ, ग्राम पंचायत सचिव, सरपंच, रोजगार सहायक, पशु चिकित्सक, गौठान समिति के सदस्यों के साथ मिलकर ग्रामीणों, पशुपालकों की बैठक का आयोजन किया जाए।

बैठक में जिन सड़कों पर पशु बैठते हैं उन सड़कों का चिन्हांकन और इन सड़कों से पशुओं को हटाएं जाने की व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पशुपालकों के व्यवहार में परिवर्तन लाने का प्रयास किया जाए। पशुओं को टैगिंग और रेडियम बेल्ट लगाए जा रहे हैं, इसी कड़ी में सभी आवारा पशुओं के लिए रेडियम बेल्ट लगाया जाना सुनिश्चित किया जाए।

पशुओं को सड़कों से हटाकर गौशालाओं, गौठानों और कांजीहाउस में ले जाकर व्यवस्थित तरीके से रखा जाना है। इस दौरान पशुओं का टीकाकरण भी नियमित रूप से किया जाए।

आर्थिक तंगी की वजह से मड़वा प्लांट के कर्मचारी की पत्नी ने लगाई फांसी

जांजगीर-चांपा ,25 अगस्त (संवाद साधना)। मड़वा पावर प्लांट में कार्यरत एक कर्मचारी की पत्नी ने आर्थिक तंगी की वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव फांसी के फंदे पर लटकता हुआ मिला है। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें

उसने अपने माता-पिता को लिखा है कि आर्थिक तंगी के कारण मैं अपनी जान दे रही हूं, मेरे पति की इसमें कोई गलती नहीं है, उसे कुछ मत करना। साथ ही महिला ने अपने माता पिता से अपने बेटे का ख्याल रखने की बात लिखी है। इस संबंध में सिटी कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मड़वा पावर प्लांट में कार्यरत कर्मचारी यशवंत शर्मा रात की पाली में ड्यूटी करने के लिए मड़वा पावर प्लांट चला गया। घर में उसकी पत्नी तृप्ति शर्मा एवं उसके 10 साल का बेटा विवान शर्मा घर पर थे। इस बीच विवान शर्मा सोने चला गया। सुबह जब वह सोकर उठा तो उसके घर के बरामदे में उसकी मां तृप्ति शर्मा का फांसी पर लटकते शव मिला। घटना की जानकारी बच्चे ने आसपास के लोग एवं अपने पापा यशवंत शर्मा को दी। घटना की जानकारी मिलते ही यशवंत शर्मा पहुंचे एवं मामले की सूचना सिटी कोतवाली पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची एवं तृप्ति शर्मा के लाश को फंदा से निकलकर पंचनामा उपरांत पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें उसने अपने माता-पिता को लिखा है कि आर्थिक तंगी के कारण मैं अपनी जान दे रही हूं, मेरे पति की इसमें कोई गलती नहीं है, उसे कुछ मत करना। साथ ही महिला ने अपने माता पिता से अपने बेटे का ख्याल रखने की बात लिखी है।

बेरोजगारों को रोजगार से जोड़ने दिया जाएगा 30 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण

जांजगीर-चांपा ,25 अगस्त (संवाद साधना)। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान जांजगीर में ग्रामीण बीपीएल परिवार के बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध करने के लिए निःशुल्क 30 दिवसीय महिला सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 अगस्त से 25 सितम्बर तक जिला हॉस्पिटल के आगे जर्वे रोड जांजगीर में स्थित एसबीआई ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित कराया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान रहने एवं भोजन की निःशुल्क व्यवस्था होगी। जिले के बीपीएल परिवार के सदस्य ही प्रशिक्षण के पात्र होगे। गरीब परिवार के लिए ग्राम सभा की अनुमोदित सूची को मान्य किया जाएगा। आवेदक की आयु 18 वर्ष से 45 वर्ष के मध्य होनी चाहिये। आवेदक आवेदन के साथ पासपोर्ट साईज के तीन फोटो व एक टिकट साइज की फोटो और पहचान पत्र के साथ उपस्थित हो सकते है।

नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए फार्म भरने की तारीख 27 अगस्त तक बढ़ी

जांजगीर-चांपा ,25 अगस्त (संवाद साधना)। छत्तीसगढ़ में चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय और निजी कालेजों में वर्ष 2023 शैक्षणिक सत्र में विभिन्न नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि को 27 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है। अब इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन आनलाईन 27 अगस्त शाम 5 बजे तक भर सकते है। पहले यह तिथि 24 अगस्त निर्धारित थी। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा इन आनलाईन प्राप्त आवेदनों के माध्यम से बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग और पोस्ट बेसिक डिप्लोमा इन साइकियाट्रिक नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। अभ्यर्थी चिकित्सा शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर लॉगइन कर आवेदन भर सकते है। चिकित्सा शिक्षा विभाग नर्सिंग पाठ्यक्रम काउसलिंग समिति के अध्यक्ष डॉ. देवप्रिय रथ से प्राप्त जानकारी के अनुसार नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाईन आवेदन शुल्क भी निर्धारित किया गया है। अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को एक हजार रूपये और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को पांच सौ रूपये आवेदन शुल्क देना होगा।

कोसला शिविर में 296 आवेदन हुए प्राप्त, 212 प्रकरणों का किया गया निराकरण

जांजगीर-चांपा ,25 अगस्त (संवाद साधना)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन में जिले के विभिन्न दूरस्थ क्षेत्रों में निवास करने वाले आमनागरिकों की शिकायतों, समस्याओं आदि के निराकरण के लिए विभिन्न ग्राम पंचायत स्तर पर लोगों के नजदीक पहुंचते हुए प्रशासन तुंहर द्वार अभियान अंतर्गत शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा आमजन से प्राप्त होने वाले आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार जिले के विकासखंड पामगढ़ के ग्राम पंचायत कोसला में प्रशासन तुंहर द्वार अभियान शिविर का आयोजन किया गया। प्रशासन तुंहर द्वार अभियान अंतर्गत आयोजित शिविर में कुल 296 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में 212 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया तथा शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को शीघ्र निराकरण करने निर्देशित किया गया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी पामगढ़ ने बताया कि शिविर में पंचायत विभाग 96, राजस्व विभाग 82, विद्युत विभाग 12, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग 06, शिक्षा विभाग 14, महिला एवं बाल विकास विभाग 03, खाद्य विभाग 07, कृषि विभाग 08, आदिवासी विकास विभाग 04, श्रम विभाग 01, सहकारिता विभाग 06, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 01, समाज कल्याण विभाग 50 और जल संसाधन विभाग 06 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार कुल 296 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिसमें से 212 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया है तथा शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को जल्द निराकरण करने निर्देशित किया गया है। शिविर में विधायक पामगढ़ श्रीमती इंदू बंजारे, छत्तीसगढ़ राज्य शाकंभरी बोर्ड के अध्यक्ष रामकुमार पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राघवेन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य बाल संरक्षण आयोग श्रीमती पुष्पा पाटले, अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य श्रीराम पप्पू बघेल, एसडीएम पामगढ़ आर के तंबोली सहित अन्य विभिन्न जनप्रतिनिधि, जिला स्तरीय अधिकारी कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

संभागीय संयुक्त संचालक ने स्कूलों के सतत निरीक्षण करने दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा ,25 अगस्त (संवाद साधना)। संभागीय संयुक्त संचालक ने जिला शिक्षा अधिकारी जांजगीर पहुंचकर विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने शिक्षा विभाग की योजनाओं की जानकारी लेने के साथ विभागीय कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने शिक्षा विभाग के सभी अधिकारियों को स्कूलों में गुणवत्ता युक्त शिक्षा व्यवस्था बनाने सतत निरीक्षण के निर्देश दिए।

गुरुवार 24 अगस्त को शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक आर.पी. आदित्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने डीइओ ऑफिस में जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मिशन समन्वयक एवं समस्त विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में श्री आदित्य ने विभागीय योजनाओं की जानकारी लेते हुए गुणवत्ता युक्त शिक्षण व्यवस्था, नियमित शिक्षकों की उपस्थिति एवं कक्षा अध्यापन का सतत निरीक्षण करने हेतु समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया। विकासखण्ड नवागढ़ एवं अकलतरा में संचालित ई. जी. एल. कार्यक्रम की जानकारी ली एवं सुचारू रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिये। सभी सी. ए. सी. एवं अधिकारियों को स्कूलों के सघन मॉनीटरिंग के लिए निर्देशित किये। माह में सभी स्कूलों का कम से कम एक बार निरीक्षण अधिकारियों के द्वारा किया जावें। सभी अधिकारी स्कूलों में जाकर शिक्षकों की उपस्थिति, स्कूलों में रहकर कक्षा में अध्यापन न कराने वाले शिक्षक, गुणवत्ता युक्त प्रदान करने शिक्षकों की जानकारी, विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं उनके शैक्षिणिक स्तर की जॉच कर अकादमिक निरीक्षण हेतु निर्देशित किया गया। सभी शिक्षकों के स्वत्वों का त्वरित भुगतान एवं उनके सेवा पुस्तिका का अद्यतन संधारण हेतु निर्देशित किया गया ।

वरिष्ठजनों के अधिकारों का संरक्षण जरूरी –सोनी

जांजगीर-चांपा ,25 अगस्त (संवाद साधना)। जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सुरेश कुमार सोनी के मार्गदर्शन में 23 अगस्त को जिला न्यायालय सभागार जांजगीर में " माता - पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के भरण पोषण अधिनियम और कल्याण अधिनियम 2007" के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाल आयोजित किया गया। जिला न्यायाधीश सुरेश कुमार सोनी द्वारा उपस्थित वरिशष्ठजनों को माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के भरण पोषण अधिनियम और कल्याण अधिनियम 2007 के संबंध में जानकारी दी। वरिष्ठ जनों को समस्त विभागों एवं संस्थनों द्वारा उपलब्ध होने वाली लाभ यथा पेंशन इत्यादि के संबंध में जानकारी लेते हुए यदि वे लाभार्थी के श्रेणी में आते हों और उन्हें किसी विभाग या संस्थान से लाभ नहीं मिल पा रहा हो तो उसके संबंध जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क करने के लिए कहा गया। उपस्थित पैरालीगल वालेण्टियर्स को ग्राम में किए जा रहे विधिक साक्षरता शिविरों, कार्यक्रम के दौरान को ऐसे वरिष्ठजनों से संबंधित लाभ से लाभ नहीं मिल पा रहा है उसकी जानकारी एकत्रित कर प्राधिकरण के संज्ञान में लाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही उपस्थित वरिष्ठजनों से उनकी समस्याओं की जानकारी लिया गया। अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायाधीश जांजगीर विवेक कुमार तिवारी द्वारा अधिनियम के अतंर्गत गठित न्यायाधीकरण के संबंध में विस्तृत जानकारी दिया गया।

इस त्यौहार के अवसर पर दें अपने
बहन एवं बेटियों को उपहार
"छत्तीसगढ़िया स्वाद" किताब
जिसमें छत्तीसगढ़ के परंपरागत व्यंजनों की विधि दी गई है जिसमें हमारी नई पीढ़ी अवगत हो सके
जांजगीर में
संवाद साधना कार्यालय
तिवारी काम्पलेक्स, केरा रोड, जांजगीर
महासमुंद में
संवाद साधना कार्यालय
पुरानागंज मण्डी, महासमुंद
कोरबा में
रानी गेट, दुर्गा मंदिर के पास
मनीष शर्मा, पार्षद वार्ड क्र.4
मिलने का स्थान
संवाद साधना कार्यालय स्वर्णिम भवन, तिलकमार्ग
मो. 9425532610

शपथ-पत्र

मैं अब्दुल सलीम सिद्दीकी उम्र 61 वर्ष पिता श्री अब्दुल वहाब जाति मुसलमान, निवासी जाजगीर वार्ड नंबर 15, थाना व तहसील जांजगीर, जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.) का हूँ जो कि निम्नानुसार शपथपूर्वक कथन करता हूँ -

यह कि मैं उपरोक्त वर्णित पते का मूल निवासी हूं। यह कि मेरी पुत्री स्वालेहा निगार का जन्म प्रमाण पत्र रजिस्टार (जन्म मृत्यु) नगर पालिका परिषद चाम्पा द्वारा दिनांक 04.12.2007 को जारी किया गया हैं।

यह कि उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरी पुत्री का नाम सलिहा परवीन तथा मेरा नाम अ0 सलीम खान दर्ज हो गया है जो त्रुटिवश गलत दर्ज हो गया हैं।

यह कि मेरी पुत्री का नाम सलिहा परवीन तथा मेरा नाम अ0 सलीम खान को सुधार कर मेरी पुत्री का नाम एवं मेरा नाम आधार कार्ड में दर्ज नाम के अनुसार स्वालेहा निगार तथा मेरा नाम अब्दुल सलीम सिद्दीकी दर्ज किया जायें।

यह कि मेरी पुत्री का नाम स्वालेहा निगार तथा मेरा नाम अब्दुल सलीम सिद्दकी सुधार कर जन्म प्रमाण पत्र जारी किया जाये, जिसके समर्थन में यह शपथ-पत्र प्रस्तुत हैं।

शपथकर्ता

अब्दुल सलीम सिद्दीकी
निवासी जाजगीर वार्ड नंबर 15, थाना व तहसील जांजगीर,
जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बलौदा (महुदा)
जिला – जांजगीर चांपा (छ.ग.)

Gmail-gitibaloda93@gmail.com

क्रमांक - औप्रसव / महु / क्रय / सु.गा. / 2023 / 572 / बलौदा, दिनांक 23.08.2023

सुरक्षा व्यवस्था कार्य (2023-24) हेतु द्वितीय निविदा आमंत्रण

प्राचार्य, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बलौदा (महुदा) जिला जॉजगीर चाम्पा (छ0ग0) की ओर से संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ के पत्र क्रमांक एफ-845 / संरोप / स्थाप. प्र/सु.गा. / 2018 /2809 नया रायपुर, दिनांक 13.06.2018 एवं कार्यालय संयुक्त संचालक (प्रशिक्षण) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाऐं बिलासपुर क्षेत्र, बिलासपुर छत्तीसगढ़ के पत्र क्रमांक- संयु. संचा/विला. / 1008 / 2018 / बिलासपुर दिनांक 15.06.2018 के द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बलौदा (महुदा) हेतु सुरक्षा गार्ड ऐजेसियां जिनका कार्यालय छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित है से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की गई थी, पर्याप्त तकनीकी निविदा सफल नहीं होने के कारण द्वितीय निविदा अमंत्रित की जाती है। निविदा का प्रारूप एवं निविदा की विस्तृत शर्ते कार्यालय प्राचार्य, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बलौदा (महुदा) जिला जॉजगीर चाम्पा (छ0ग0) से आवेदन पत्र प्रस्तुत कर एवं - 750/- (सात सौ पचास रुपये मात्र) नगद भुगतान कर दिनांक 08.09.2023 शाम 05.00 बजे तक कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र की बिकी / जमा करने / खोले जाने की तिथि एवं समय तथा स्थान की जानकारी निम्नानुसार है-

1. निविदा प्रपत्र की बिकी प्रारंभ की तिथि दिनांक	25.08.2023 से 08.09.2023 (समय प्रातः 10:00 से सायं 05:00 बजे तक
2. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	दिनांक 11.09.2023 अपरान्ह 01.00 बजे तक
3. निविदा खोलने की तिथि दिनांक	11.09.2023 अपरान्ह 02.00 बजे
स्थान- शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, बलौदा (महुदा) जिला- जॉजगीर चाम्पा (छ0ग0)	

जी-04601/2

(अंशुल शुक्ला)
प्राचार्य
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बलौदा (महुदा)
जिला – जॉजगीर चाम्पा (छ.ग.)

स्वामित्व,श्रीमती कविता शर्मा **प्रकाशक,मुद्रक** विवेक शर्मा द्वारा मे.संवाद साधना,तिलक मार्ग टी.पी.नगर,कोरबा से मुद्रित एवं ई संगवारी कार्यालय कचहरी चौक जांजगीर चांपा से प्रकाशित, फोन- 97131-22540,
RNI NO CHHHIN/2011/39362 प्रधान संपादक उपेंद्र तिवारी-**संपादक** विवेक शर्मा *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट जिम्मेदार